सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 77, नई दिल्ली । बुधवार, 29 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

03 मासूमों की मौत के असली कातिल कौन? सिस्टम से सवाल
06 चुनाव की पवित्रता और जहरीली वाणी
08 पांडियन ने 9 मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा

दिल्ली परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त द्वारा पद के बल का दुरूपयोग कर प्रदुषण के नाम पर जनता के वाहनों को जबरदस्ती उठवा कर अपने प्रिय वाहन स्क्रैप डीलरों को स्क्रैप के नाम से सौंपा गया था, क्या वह उन वाहनों के स्क्रैप होने का सबूत जनता को देंगे या बस कागज में करवा दिए स्क्रैप, बड़ा सवाल ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। आज हम दिल्ली की जनता से पूछते है कि क्या आप बता सकते है आपका वाहन जो परिवहन विभाग ने स्क्रैप के नाम पर उठा लिया था या आपने दिल्ली परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त के दबाव के कारण सड़क छाप वाहन स्क्रैप डीलर को ऊंची दर पर देने की जगह बहुत कम कीमत देने वाले भारत सरकार सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पंजीकृत और राज्य परिवहन विभाग (**"विशेष आयुक्त शहजाद आलम द्वारा दिल्ली के लिए अधिकृत"**) द्वारा अपने राज्य में जांच पड़ताल के बाद अधिकृत करे हुए वाहन स्क्रैप डीलर को स्क्रैप करने के लिए दिया था क्या वह सच में स्क्रैप हुआ ?

आपकी जानकारी के लिए बता दें यह मुद्दा हमने उस समय भी विशेष आयुक्त के सामने पेश किया था जब उनके प्रिय स्क्रैप डीलर द्वारा उठाया गया एक वाहन जयपुर में टोल टैक्स और दूसरा यूपी में टोल टैक्स कटवाता नजर आया था पर उन्होने बड़ी सफाई की साथ इस बात को दबा दिया था। आज हम आपको बताने जा रहे जो बात उसको जानने के बाद आप भी यह मानने के लिए बाध्य हो जायेगे की **दिल्ली परिवहन विभाग ने जो जनता के वाहन प्रदुषण के नाम पर बल का दुरूपयोग कर उठवा कर अपने निजी प्रिय वाहन स्क्रैप डीलरो को सुपुर्द किए वह स्क्रैप ना होकर किसी बाजार में जाकर बिक गए।** दिल्ली पुलिस ने सरकारी नाम में पंजीकृत वाहनों को नीलामी कर अधिकृत **वाहन स्क्रैप डीलर को स्क्रैप करने के लिए दिए और उनमें से अधिकांश वाहन स्क्रैप होने की जगह उसी हालत में जैसे दिल्ली पुलिस विभाग ने पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर को स्क्रैप करने के लिए सुपुर्द किए थे स्क्रैप होने की जगह बाजार में आ गए।**

अब आप बताए जब दिल्ली में दिल्ली पुलिस के द्वारा स्क्रैप के लिए दिए गए वाहन दिल्ली के ही सड़क छाप स्क्रैप बाजार में उपलब्ध हो सकते है तो किस आधार पर दिल्ली परिवहन विभाग के विशेष आयुक्त शहजाद आलम दिल्ली की जनता को अपने वाहन पंजीकृत स्क्रैप डीलर को सुपुर्द करने के बात करते है, बड़ा सवाल ?

ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एंड लेबर वेलफेयर एसोसिएशन (टोलवा) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से इस मामले पर स्वयं संज्ञान लेकर ऐसे सभी वाहन स्क्रैप डीलरो का पंजीकरण रद्द करने की अपील करता है जो वाहन स्क्रैप के लिए लेते हैं पर उन्हें स्क्रैप करने की जगह खुले बाजार में ऊंची कीमत पर बेच रहें है और साथ ही अपील करता है राज्य परिवहन विभाग के उन आला अधिकारियों के खिलाफ भी जांच के दिशा निर्देश जारी करवाए जो अपने पद के बल का दुरूपयोग कर ऐसे कार्यों में स्लग्न है।

दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों को दिल्ली में चलाने के लिए क्या है कानून/नियम!

किस श्रेणी के वाहन को लेना आवश्यक है परमिट और किस श्रेणी को दे रखी है परमिट से छूट।

कैसे और कोन अपना इलेक्ट्रिक वाहन चला सकते है अन्तर्राष्ट्रीय बस टर्मिनल से।

तीन दिन बाद हम आपसे साझा करेंगे दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी सचिव एसटीए के द्वारा इलैक्ट्रिक वाहनों में किसे है परमिट आवश्यक और किस को है परमिट से छूट।

सभी तथ्यों के सबूतों के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे सच और सच जानने के लिए पढ़ना मत भूलिएगा परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र।

संपादक

पार्किंग से करोड़ों की कमाई कर रहा प्राधिकरण, जिम्मेदारी के नाम पर सिफर : आरटीआई

शहर के समाजसेवी श्री रंजन तोमर की आरटीआई में दिया जवाब, तकरीबन 34 करोड़ के दिए ठेके

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। देश के सबसे अमीर प्राधिकरणों में शामिल नॉएडा को पार्किंग के ठेकों से करोड़ों की आमदनी हो रही है, जो की अच्छी बात भी है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर नॉएडा प्राधिकरण का परफॉरमेंस सिफर ही रहा है। शहर के समाजसेवी एवं अधिवक्ता श्री रंजन तोमर द्वारा लगाई गई एक आरटीआई से कई बड़े खुलासे हुए हैं, जिसमें प्राधिकरण ने 2024 से लेकर 2026 तक नॉएडा में दिए पार्किंग ठेकों की जानकारी मांगी थी जिसमें कुछ यह बातें सामने आयी हैं।

क्लस्टर 1 जिसमें सेक्टर 2, 6, 8, 15, 16, 25, 27, 29, 30, 41, 50, 51, 61, एवं 104 हैं जिसके अनुबंध की तिथि 29/1/2024 से लेकर 28/01/2026 तक है की अनुबंधित राशि 858.53 लाख रुपए अर्थात तकरीबन 8.5 करोड़ रुपए है जबकि क्लस्टर 3 में सेक्टर 33, 54, 57, 58, 59, 60, 144, 125, 126, 127, 132 एवं 135 जिसकी अनुबंध तिथि 15/03/2024 से लेकर 14/03 2026 है की अनुबंध धनराशि 2369.68 लाख रुपए अर्थात तकरीबन 23 करोड़ 69 लाख, वहीँ क्लस्टर 7 जिसमें सेक्टर 74, 75, 76, 77, 78, 79, 94, 104 एवं 120 हैं की अनुबंध तिथि 17/01/2024 से लेकर 16/01/2026 है एवं इसकी अनुबंध राशि 287.79 लाख है अर्थात तकरीबन 2 करोड़ 87 लाख के करीब।

गौरतलब है के पिछले दिनों श्री रंजन तोमर द्वारा खुलासा किया गया था की प्राधिकरण द्वारा दिए गए ठेकों पर कई अनियमितताएं पायी जा रही हैं, न ही ठेकेदार प्रोफेशनल पार्किंग असिस्टेंट नौकरी पर रखते हैं, बस/ट्रक की पर्ची गाड़ियों को देकर ज़्यादा शुल्क वसूलते हैं एवं अलग से पैसे भी मांगे जाते हैं, नॉएडा प्राधिकरण के सीईओ को चाहिए की वह ठेकदारों की इस मनमानी को रोकें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें दंड दें, आवश्यकता पड़ने पर अनुबंध भी समाप्त किया जाए तभी नागरिक अधिकारों की रक्षा हो सकेगी, वरना जिस शहर को चलाने वाली संस्था ही भ्रस्टाचार को बढ़ावा देगी उसका भगवान्-ही मालिक है।

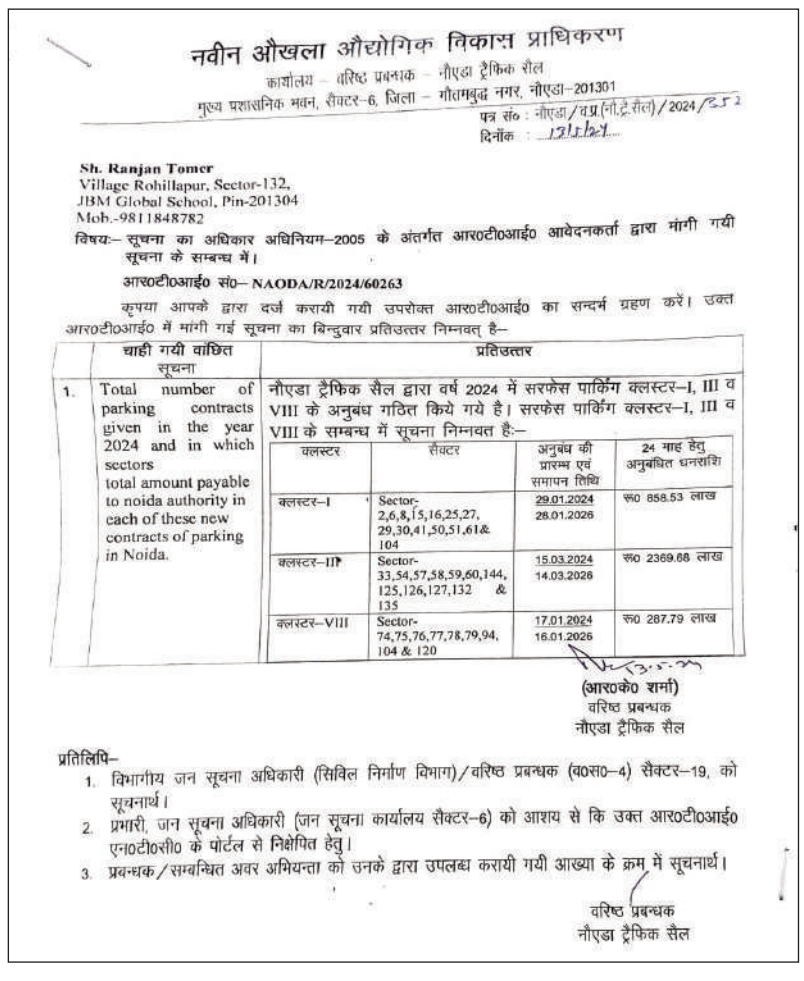

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
कार्यालय – वरिष्ठ प्रबन्धक – नौएडा ट्रैफिक सैल
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, जिला – गौतमबुद्ध नगर, नौएडा-201301
पत्र सं० : नौएडा/व.प्र.(नौ.ट्रै.सैल)/2024/352
दिनांक : 13/5/24

Sh. Ranjan Tomer
Village Rohillapur, Sector-132,
JBM Global School, Pin-201304
Mob.-9811848782

विषयः– सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 के अंतर्गत आर०टी०आई० आवेदनकर्ता द्वारा मांगी गयी सूचना के सम्बन्ध में।

आर०टी०आई० सं०– NAODA/R/2024/60263

कृपया आपके द्वारा दर्ज करायी गयी उपरोक्त आर०टी०आई० का सन्दर्भ ग्रहण करें। उक्त आर०टी०आई० में मांगी गई सूचना का बिन्दुवार प्रतिउत्तर निम्नवत् है–

	चाही गयी वांछित सूचना	प्रतिउत्तर
1.	Total number of parking contracts given in the year 2024 and in which sectors total amount payable to noida authority in each of these new contracts of parking in Noida.	नौएडा ट्रैफिक सैल द्वारा वर्ष 2024 में सरफेस पार्किंग क्लस्टर–I, III व VIII के अनुबंध गठित किये गये है। सरफेस पार्किंग क्लस्टर–I, III व VIII के सम्बन्ध में सूचना निम्नवत है:–

क्लस्टर	सैक्टर	अनुबंध की प्रारम्भ एवं समापन तिथि	24 माह हेतु अनुबंधित धनराशि
क्लस्टर–I	Sector-2,6,8,15,16,25,27,29,30,41,50,51,61& 104	29.01.2024 28.01.2026	रू0 858.53 लाख
क्लस्टर–III	Sector-33,54,57,58,59,60,144,125,126,127,132 & 135	15.03.2024 14.03.2026	रू0 2369.68 लाख
क्लस्टर–VIII	Sector-74,75,76,77,78,79,94,104 & 120	17.01.2024 16.01.2026	रू0 287.79 लाख

(आर०के० शर्मा)
वरिष्ठ प्रबन्धक
नौएडा ट्रैफिक सैल

प्रतिलिपि–
1. विभागीय जन सूचना अधिकारी (सिविल निर्माण विभाग)/वरिष्ठ प्रबन्धक (व०स०–4) सैक्टर–19, को सूचनार्थ।
2. प्रभारी, जन सूचना अधिकारी (जन सूचना कार्यालय सैक्टर–6) को आशय से कि उक्त आर०टी०आई० एन०टी०सी० के पोर्टल से निक्षेपित हेतु।
3. प्रबन्धक/सम्बन्धित अवर अभियन्ता को उनके द्वारा उपलब्ध करायी गयी आख्या के क्रम में सूचनार्थ।

वरिष्ठ प्रबन्धक
नौएडा ट्रैफिक सैल

मुख्य सचिव दो जून को करेंगे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट समन्वय समिति की समीक्षा, ट्रायल पर हो सकता है फैसला

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जून में ट्रायल शुरू होने को लेकर दो जून को मुख्य सचिव की बुलाई बैठक में फैसला हो सकता है। बता दें नोएडा एयरपोर्ट पर रनवे एटीसी का काम लगभग खत्म हो चुका है। एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के 4800 जवानों के लिए परिसर के भीतर में हॉस्टल भी बनाया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जून में ट्रायल शुरू होने को लेकर दो जून को फैसला हो सकता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. नियाल के चेयरमैन एवं प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में दो जून को संयुक्त समन्वय समिति की बैठक होगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रनवे का काम पूरा

इसमें एयरपोर्ट के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के अलावा विभिन्न विभागों को कार्य संचालन के लिए स्थान एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रनवे, एटीसी का काम लगभग पूरा हो चुका है। उपकरण लगाने का काम चल रहा है।

टर्मिनल बिल्डिंग का काम भी अंतिम चरण में

टर्मिनल बिल्डिंग का काम भी अंतिम चरण में है। जून में ट्रायल शुरू होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। इससे पहले मुख्य सचिव एयरपोर्ट साइट पर संयुक्त समन्वय समिति की बैठक कर कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में नियाल, विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अलावा सुरक्षा, केंद्रीय विभागों के अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्य सचिव के निर्देश के बाद रडार की उपलब्धता

मुख्य सचिव ने दिसंबर में एयरपोर्ट साइट पर समन्वय समिति की बैठक की थी। मुख्य सचिव के निर्देश के बाद रडार की उपलब्धता हो गई है। दो जून को होने वाली बैठक में एयरपोर्ट पर ट्रायल शुरू कराने को लेकर फैसला हो सकता है।

CISF के 4800 जवानों के लिए परिसर में बनेगा हॉस्टल

एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के 4800 जवानों के लिए परिसर में हॉस्टल बनेगा। नियाल सीईओ डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि संयुक्त समन्वय समिति की बैठक में एयरपोर्ट से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी।

सतीश कुमार टी आई ग्रेटर फरीदाबाद :- वर्ष 2011 से सड़क सुरक्षा पर कार्यरत, जाने इन्ही की जुबानी इनके विचार/ तजूर्बे के अनुसार कैसे सड़को पर दुर्घटनाओं में कमी आ सकती है

Name	Insp Satish Kumar, 479RR
Father's Name	Om Prakash
Sex(Male/Female)	Male
Date of Birth	04.09.1968
Age	55 years 4 months
Address	VPO Pinana, Distt Sonipat.
Telephone/Mobile No.	8684848608
Email Id	asisatish212@gmail.com
Profession or Occupation (with designation/office held)	Inspector, Haryana Police Posted as Traffic Inspector, Greater Faridabad
Field of Activity (viz.., Art, Sport, Social Work, etc.)	Awareness Program on Road Saftey, Cyber Crime and Drug Addiction since 2011.

मेरा सदैव प्रयास रहता है की यातायात को सुचारू रूप से चलवाया जाये और साथ ही सड़क दुधटनाओ मे कमी लाने के अधिकतम प्रयास किये जाये। मेरी दिली इच्छा है की सड़क दुर्घटनाओ मे होने वाली मौत की सरव्या को शून्य पर लाया जा सके

1. इसके लिये मै सडक प्रयोग करने वालो को जगह जगह जागरूकता कार्यक्रम करके जागरूक करता रहता हु। इसके अलावा स्कूल कालेजो मे जा कर बच्चो को मोटर वाहन नियमो की जानकारी देता रहता हु। बच्चो को मैं समझाने का प्रयास करता हू की जब तक आप 18 साल के ना हो कोई भी वाहन ना चलाये।

2. हमारे देश मे व्यवसायिक क्षेत्र में कार्यरत वाहनो पर रैटरो रिफैलैक्टीव टेप (आगे सफेद, पीछे लाल और दोनो तरफ़ पीली) लगानी जरूरी है जो रात के समय गाड़ी खराब होने पर लाईट पडने पर सोने की तरह चमकती है वा वाहन चालक को खडे वाहन का पता चल जाता है हमारे देश मे काफी सड़क दुर्धटनाए खडे वाहन की होती है जिसमे काफी लोग अपनीं जान गवा देते है वा काफी अपहाईज की जिन्दगी गुजारने पर मजबुर होते है, इसके लिए मेरा सभी से अनुरोध है आप भी अपने वाहनो पर अपनी एवम्सड़क पर चल रहे अन्य की सुरक्षा के लिए सरकार की तरफ से जरुरी ना किए जाने पर भी अवश्य व्यवसायिक वाहनों की तरह टेप जरूर लगाये। वैसे तो सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार को ही हर वाहन पर इसे लगाना जरूरी करना चाहिये क्योंकि इससे खड़े वाहनो की सड़क दुर्धटनाओ मे काफी कमी आयेगी।

3. अमेंडमेंट एमवी एक्ट 2019 में बड़े जुर्माने से बचने के लिए दो पहीया वाहन चालकों द्वारा हैल्मेट पहनना शुरू कर दिया गया है पर यह लोग सुरक्षा की दृष्टी से हैल्मेट नही पहनते। *अभी कुछ दिन पहले हमने एक कंपेन जागरूकता हैल्मैट पर चलाया था जिसमे फरीदाबाद मे 80 लोगो ने हैल्मैट तो लगाये हुये थे लेकीन प्रोपर हैल्मेट नही लगा रखे थे। हेलमेट को सिर्फ सिर पर रखा हुआ था और वाहन चला रहे थे जो गलत है। मेरा सभी से अनुरोध है कृपा करके हैल्मेंट अच्छी क्वालटी का खरीदे और साथ ही उसे स्टीप बाध कर वाहन चलाये।

4. आपकी जानकारी के लिए बता रहा हूं की हमारे देश मे हर चार मिनट मे एक आदमी सड़क दुर्घटना मे मारा जा रहा है और उनमें सबसे अधिक गिनती 2 पहिया वाहन चालको की है। इसलिए अपनी सुरक्षा और अपने परिवार की तरफ़ ध्यान देते हुए अच्छी क्वालिटी का हैल्मेट और सही ढंग से बांध कर ही वाहन चलाए। इससे सड़क दुर्धटनाओ मे मरने वालो मे कमी आयेगी।

5. **कार चालक और कार में सवार सभी के लिए सीट बैल्ट का इस्तमाल करना भी इतना ही जरूरी** है जितना हैल्मेट पहनना सीट बैल्ट हमे सड़क दुर्धटना के समय हैड इन्जरी से बचाती है, अगर आपने सीट बैल्ट लगा रखी है तो ही ऐयर बैग खुलेगे और तभी आप सफर में पूर्ण रूप से सुरक्षित है।

6. वाहन चलाते समय मोवाईल फोन का इस्तमाल सब से खतरनाक है क्यों की फोन प्रयोग करने के दोरान ध्यान सड़क से हट जाता हैं और दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ जाती है इसमे वाहन चालक की मौत भी हो सकती है। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए पाए जाने पर जुर्माना 5000 और साथ ही तीन महीने लाईसैस सस्पैण्ड होता है। आप सभी से अपील है किसी भी हालात में वाहन चलाते हुए फोन का प्रयोग ना करे अगर बहुत जरुरी है तो वाहन को सुरक्षित सार्डड़ देखकर खड़ा कर के बात करे।

7. आप अपने क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए अपने क्षेत्र मे जिस सड़क पर अधिक दुर्घटना हो रही है उस स्थान की वहा के सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ कों बुलवाकर दौरा करवाए और उससे रिपोर्ट लेंकर सम्बधित विभाग को भिजवा कर कार्य करवाये तो सड़क दुर्धटनाओ मे कमी आयेगी। **झज्जर मे इसी के तहत वर्ष 1/1/22 से 30/9/22 तक 476 एवम्‍ 1/1/23 से 30/9/23 तक 403 सड्क दुर्धटनाए हुई।**

सभी जन मानस से अपील है की वह दुर्घटना मे धायल व्यक्ति की सुचना तुरन्त सम्बंधित विभाग/ पुलिस को 112 पर देकर अपना कर्तव्य निभाए और घायल व्यक्ति की जान बचाने में मददगार बने,

पर्यावरण पाठशाला : नौतपा: एक भौगोलिक और ज्योतिषीय घटना

भारतीय ज्योतिष विज्ञान के अनुसार, नौतपा एक महत्वपूर्ण भौगोलिक घटना है। यह काल प्रति वर्ष तब आता है जब सूर्य १५ दिनों के लिए रोहिणी नक्षत्र में गोचर करता है। इन १५ दिनों में से शुरुआती ९ दिनों को विशेष रूप से नौतपा कहा जाता है। इस दौरान सूर्य और पृथ्वी आमने-सामने होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप धरती तपने लगती है और गर्मी अपनी चरम सीमा पर होती है। इस समय वर्ष का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया जाता है।

इस वर्ष नौतपा की शुरुआत २६ मई से हो चुकी है और तापमान ४८-४९ डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने की संभावना है। ऐसे में स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, धूप के मध्य काल में बाहर निकलने से बचना चाहिए और ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करते रहना चाहिए। इन दिनों में पशु-पक्षियों के लिए जल की आपूर्ति अत्यंत आवश्यक हो जाती है। प्रकृति प्रेमियों से निवेदन है कि वे छायादार वृक्षों के नीचे जल की व्यवस्था करें, जो इस समय का एक महान दान है।

नौतपा के दौरान हिंदू संस्कृति में सूर्य देव को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। यह एक धार्मिक और आध्यात्मिक क्रिया है जिसमें सूर्य देव की पूजा की जाती है और उनसे ग्रीष्म प्रकोप से रक्षा की प्रार्थना की जाती है।

ॐ सूर्य देवता नमः, परमेश्वर अपने प्राणियों को ग्रीष्म प्रकोप से रक्षा करें और सभी को इस तपती धूप में शीतलता प्रदान करें।

नौतपा का यह समय हमें न केवल प्रकृति की शक्ति का अनुभव कराता है, बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि हम अपने वातावरण और जीव-जंतुओं की सुरक्षा और देखभाल के लिए जिम्मेदार हैं। इस दौरान जल की बचत, पर्यावरण की रक्षा और सभी जीवित प्राणियों के प्रति करुणा का अभ्यास करना आवश्यक है।

आइए, हम सभी इस नौतपा के समय में अपनी जिम्मेदारियों को समझें और एक स्वस्थ, सुरक्षित और करुणामय समाज की स्थापना में योगदान दें।

indiangreenbuddy@gmail.com

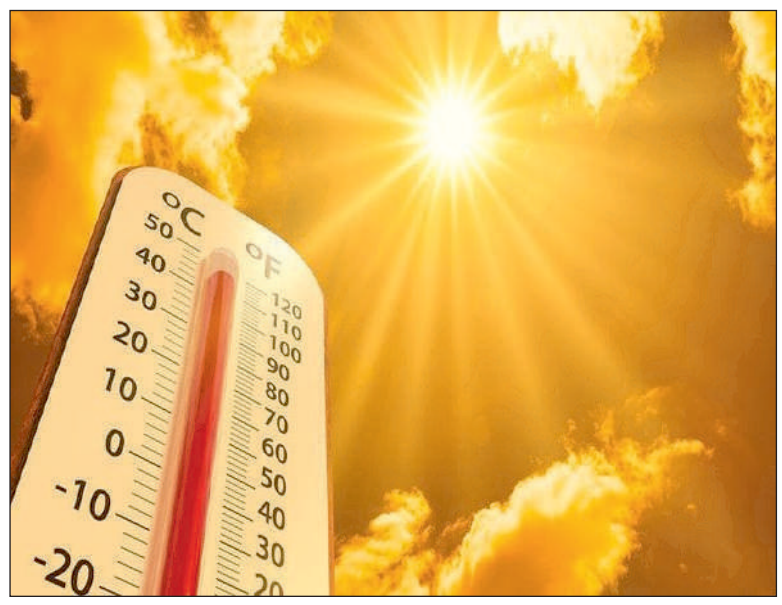

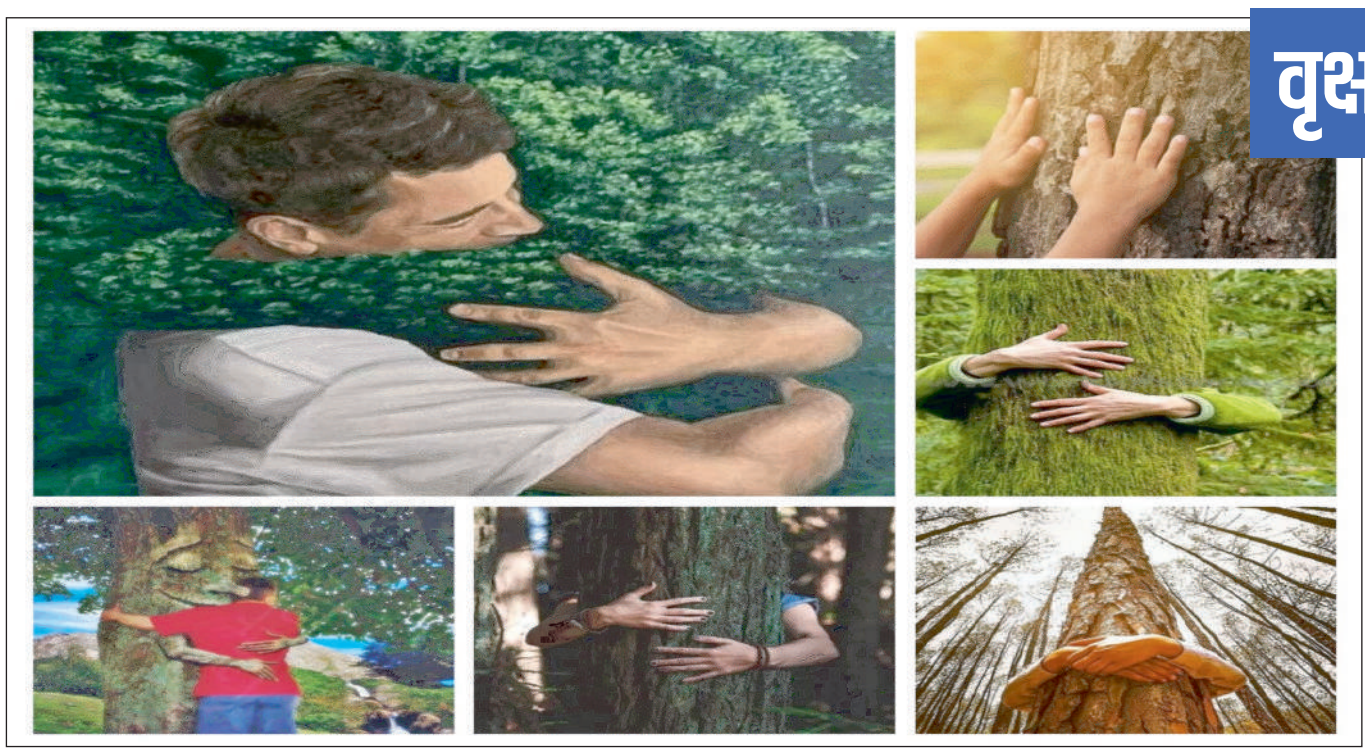

वृक्ष को गले लगाने के चमत्कार - अंकुर

वृक्ष को गले लगाने के अनेक लाभ हैं जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। वृक्ष के संपर्क में आने से हमें प्रकृति से जुड़ाव महसूस होता है और इसका हमारे जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

1. तनाव कम करना

वृक्ष को गले लगाने से हमारे शरीर में तनाव के स्तर को कम किया जा सकता है। यह प्रक्रिया शरीर में ऑक्सीटोसिन, सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे 'खुशी के हार्मोन' को बढ़ावा देती है, जिससे मन शांत और सुकून महसूस करता है।

2. मानसिक स्वास्थ्य में सुधार

वृक्ष के संपर्क में आने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह डिप्रेशन और एंग्जायटी को कम करने में सहायक है। प्रकृति के नजदीक रहकर हमें शांति और संतुलन का अनुभव होता है, जो मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

3. शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

वृक्ष को गले लगाने से हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलती है। प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने से हमारा श्वसन तंत्र बेहतर होता है और रक्तचाप भी नियंत्रित रहता है।

4. ऊर्जा का संचार

वृक्ष से संपर्क करने से हमें सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। यह ऊर्जा हमें थकान से उबरने में मदद करती है और हमें ऊर्जा से भरपूर महसूस कराती है।

5. आत्म-जागरूकता और ध्यान

वृक्ष को गले लगाने से आत्म-जागरूकता और ध्यान क्षमता में सुधार होता है। यह एक प्रकार का मेडिटेशन है, जिससे हमें अपने भीतर की शांति और संतुलन को अनुभव करने का अवसर मिलता है।

6. पर्यावरण से जुड़ाव

वृक्ष को गले लगाने से हमारा पर्यावरण के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता बढ़ती है। यह हमें प्रकृति की रक्षा करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करता है।

वृक्ष को गले लगाना सिर्फ एक शारीरिक क्रिया नहीं है, बल्कि यह हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमें प्रकृति से जोड़ता है और हमें आंतरिक शांति और संतुलन का अनुभव कराता है। इस सरल और प्राकृतिक प्रक्रिया को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर हम अपने स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं और एक खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

मेहंदीपुर बाला जी मंदिर जाने से पहले जान लें ये नियम, जानिए क्यों घर नहीं लाया जाता यहां का प्रसाद

अनन्या मिश्रा

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने और उसे खाने के अलावा घर लाने की मनाही होती है। मान्यता के मुताबिक मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के प्रसाद का सेवन करने या घर लाने से व्यक्ति पर नकारात्मक शक्तियां हावी हो जाती हैं।

हमारे देश में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जो अपने रहस्यों के लिए पूरे विश्व में जाने जाते हैं। यह मंदिर प्राचीन होने के साथ-साथ काफी फेमस भी हैं। ऐसा ही हनुमान जी को समर्पित एक मंदिर राजस्थान के सिकराय में मौजूद है। बता दें कि इस मंदिर को मेहंदीपुर बालाजी के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस मंदिर में दर्शन करने भर से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

आपको बता दें कि मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने और उसे खाने के अलावा घर लाने की मनाही होती है। मान्यता के मुताबिक मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के प्रसाद का सेवन करने या घर लाने से व्यक्ति पर नकारात्मक शक्तियां हावी हो जाती हैं। तो आइए जानते हैं कि बालाजी का प्रसाद घर क्यों नहीं लाना चाहिए।

क्यों नहीं लाया जाता प्रसाद

मान्यता के मुताबिक मेहंदीपुर बालाजी जी मंदिर के दर्शन और पूजा करने मात्र से व्यक्ति को भूत-प्रेत आदि बाधाओं से मुक्ति मिलती है। इस मंदिर से खाने-पीने की चीजों और प्रसाद को अपने घर नहीं लाना चाहिए। इससे व्यक्ति के ऊपर साया आ सकता है।

भूत-प्रेत से मिलती है मुक्ति

मेहंदीपुर बालाजी जी मंदिर में हनुमान जी को बालाजी के रूप में पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर में व्यक्ति को प्रेत-आत्मा से मुक्ति मिलती है। बालाजी का मंदिर दो पहाड़ियों के बीच स्थित है। इस मंदिर में बालाजी के साथ भैरव बाबा भी विराजमान हैं।

इन बातों का रखें खास ध्यान

अगर आप भी मेहंदीपुर मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको करीब एक सप्ताह पहले से नॉनवेज, लहसुन और शराब आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न होंगे। इसके साथ ही मंदिर में आरती के दौरान इधर-उधर या पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। बालाजी के दर्शन के बाद प्रभु श्रीराम और मां सीता के दर्शन जरूर करने चाहिए।

द्वारका के इस मंदिर में अपने पुत्र के साथ विराजमान हैं हनुमान जी, आप भी कर आएं दर्शन

अनन्या मिश्रा

हमारे देश में कई प्राचीन और फेमस मंदिर हैं। जो भारतीय संस्कृति और धर्म के अभिन्न अंग हैं। हमारे देश में हनुमान जी के कई मंदिर हैं, वहीं द्वारका में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर वह अपने पुत्र के साथ विराजमान हैं।

हमारे देश में कई प्राचीन और फेमस मंदिर हैं। जो भारतीय संस्कृति और धर्म के अभिन्न अंग हैं।

इसलिए इसे मंदिरों का देश भी कहा जाता हैं। भारत में लाखों-करोड़ों मंदिर हैं, जो विभिन्न देवी-देवताओं को समर्पित है। वहीं इन देवी-देवताओं की पूजा के कई नियम बताए गए हैं। वहीं इन मंदिरों के कई रहस्य भी हैं, जिनके बारे में पता लगा पाना वैज्ञानिकों के लिए भी काफी मुश्किल है। पौराणिक मान्यता के मुताबिक हनुमान जी ब्रह्मचारी हैं, लेकिन उनका एक पुत्र भी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे जहां पर हनुमान जी अपने पुत्र के साथ विराजमान हैं।

कहां है मकरध्वज मंदिर

हनुमान जी के इस मंदिर का नाम मकरध्वज मंदिर हैं और यह द्वारका में स्थित है। मान्यता के अनुसार, यह वही स्थान है, जहां पर हनुमान जी पहली बार अपने पुत्र मकरध्वज से मिले थे। यहां इस मंदिर में हनुमान जी और मगरध्वज की प्रतिमा स्थापित है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक एक बार हनुमान जी यात्रा करने के दौरान समुद्र में स्नान कर रहे थे। जहां पर हनुमान जी का पसीन एक मादा मगरमच्छ ने पी लिया। इसकी वजह से उस मादा मगरमच्छ के गर्भ से संतान उत्पन्न हुई, जिसका नाम मगरध्वज पड़ा। बताया जाता है कि हनुमान जी जो तपस्या करते वह मकरध्वज के पास स्थानांतरित हो जाती थी। जिसके कारण हनुमान जी का पुत्र मकरध्वज अत्यंत शक्तिशाली हो गया। बता दें कि यहां पर करीब 2000 साल पहले साधु-संत साधना किया करते थे।

एक दिन उन साधु-संत को स्वप्न आया कि हनुमान जी उनसे कुछ कहना चाहते हैं कि हनुमान जी और उनके पुत्र मकरध्वज की मूर्ति इस स्थान पर स्थापित की जाए। साधु-संत ने हनुमान जी का आदेश मानते हुए मूर्ति की स्थापना की। बता दें कि हनुमान जी और मकरध्वज की प्रतिमा के सामने बैठकर कोई साधना करता है, तो उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। साथ ही जातक को शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

वहीं एक दूसरी कथा के अनुसार, जब श्रीराम लंका पर आक्रमण करने जा रहे थे, तो उससे पहले सीता जी की खोज में हनुमान लंका गए थे। वहां पर उन्होंने रावण के बंदीगृह में मां सीता को देखा। मां सीता से मिलने के बाद उन्होंने हनुमान जी को एक पान दिया, जिसमें उनका बीज था। हनुमान जी ने वह पान पाताल लोक के राजा अहिरावण को दिया। जब अहिरावण की पत्नी ने उस पान का सेवन किया, तो उनको एक पुत्र की प्राप्ति हुई, यह हनुमान जी के बेटे मकरध्वज थे।

श्रीराम जी के मधुर और रहस्यमई वचन सुनकर श्रीसती जी भीतर तक मानों हिल सी गई

सुखी भारती

श्रीसती जी भी, ऐसा ही कुछ कर रही थी। वे जगत जननी माता सीता जी का केवल रुप तो धारण कर रही थी। लेकिन स्वयं को श्रीसीता जी जैसा बनाने में उनकी कोई रुचि नहीं थी। सच कहें, तो वे श्रीसीता जी के दिव्य चरित्र को दूर-दूर तक तिनका भर भी महसूस नहीं कर रही थी।

श्रीसती जी ने माता सीता जी का रुप धारण कर लिया था। वैसे तो यह किसीके लिए भी, प्रसन्नता का विषय होना चाहिए था, कि कोई नारी, जगत जननी के रुप को धारण करने की चेष्टा रखती है। लेकिन बात अगर वेष धारण करने तक ही सीमित हो, और गुणों को अंगीकार करने की कोई मंशा ही न हो, तो निश्चित ही इसका लाभ शून्य से अधिक कुछ नहीं है।

श्रीसती जी भी, ऐसा ही कुछ कर रही थी। वे जगत जननी माता सीता जी का केवल रुप तो धारण कर रही थी। लेकिन स्वयं को श्रीसीता जी जैसा बनाने में उनकी कोई रुचि नहीं थी। सच कहें, तो वे श्रीसीता जी के दिव्य चरित्र को दूर-दूर तक तिनका भर भी महसूस नहीं कर रही थी। वे भूल गई थी, कि श्रीसीता ऐसी महान नारी हैं, जिन्हें स्वयं कोई अधिकृत वनवास नहीं हुआ है, लेकिन श्रीराम जी के श्रीचरणों में समर्पण व प्रेम के चलते, वे सवः इच्छा से ही, वनों के कठिन मार्ग की अनुगामी बनी हैं। जो भी जीव, श्रीराम जी के महान मार्ग पर चल पड़ता है, उसे भला कौन पीछे हटा सकता है। श्रीराम जी के पदचिन्हों पर चलने वाले को रावण चुरा कर ले जाये, ऐसा स्वपन में भी नहीं हो सकता।

लेकिन संशय के तीखे बाणों से हताहत हुई, श्रीसती जी भला यह, कहाँ समझ पा रही थी। उन्हें तो बस यह सिद्ध करना था, कि वे सही थी, और भगवान शंकर वास्तविक्ता में भ्रम थे।

खैर ! श्रीसती जी को जब श्रीलक्ष्मण जी ने देखा, तो वे आश्चर्य में पड़ गये, कि श्रीसीता जी तो हमारे बिलकुल समक्ष हैं। माता सीता जी इतनी सुलभता से हमें दिख पड़ेंगी, यह तो हमने सोचा ही नहीं था। लेकिन एक आश्चर्य मुझे रह-रह कर काटे जा रहा है, कि भईया श्रीराम जी, अपने समक्ष सीता मईआ को देख कर, कोई विशेष प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। श्रीलक्ष्मण जी समझ गये, कि अवश्य ही इसमें कोई लीला है। मुझे मौन भाव से दूर से ही इस लीला का दर्शन करना चाहिए। यह सोचकर, श्रीलक्ष्मण जी ने अपने भावों को गुप्त कर लिया-

'लछिमन दीख उमाकृत बेषा।
चकित भए भ्रम हृदयँ बिसेषा।।
कहि न सकत कछु अति गंभीरा।
प्रभु प्रभाउ जानत मतिधीरा।।'

श्रीराम जी ने भी, श्रीसती जी को, सीता रुप में निकटता से देख तो लिया था, लेकिन उन्होंने अपने मुख मण्डल पर कोई भाव नहीं आने दिया। वे पहले की ही भाँति 'हे सीते ! हे सीते ! तुम कहाँ हो !' पुकारते रहे। श्रीसती जी आश्चर्यचकित थी, कि श्रीराम जी मुझे देख क्यों नहीं रहे। अपनी उपस्थिति मुखर करने के लिए, श्रीसती जी, भगवान श्रीराम जी के बिलकुल समीप जा खड़ी हुई। अब तो भगवान श्रीराम जी के पास भी कोई मार्ग नहीं था, कि वे कहीं दूसरी ओर मुड़ पाते। श्रीराम जी को भी लगा, कि अब तो हमें भी अपने वास्तविक भावों प्रक्ट करना चाहिए। ऐसे में श्रीराम जी दोनों हाथ जोड़ कर मुस्करा कर बोले-

'जोरि पानि प्रभु कीन्ह प्रनामू।
पिता समेत लीन्ह निज नामू।।
कहेउ बहोरि कहाँ बृषकेतू।
बिपिन अकेलि फिरहु केहि हेतू।।'

श्रीराम जी दोनों हाथ जोड़ कर प्रणाम करते हुए, पिता सहित अपना नाम बताते हैं। तदपश्चात पूछते हैं, कि वृषकेतु शिवजी कहाँ हैं ? आप यहाँ वन मे अकेली किसलिए फिर रही हैं ?

श्रीसती जी ने जैसे ही, श्रीराम जी के यह मधुर और रहस्यमई वचन सुनें, तो वे भीतर तक मानों हिल सी गई। वे समझ गई, कि श्रीराम जी ने तो मुझे पहचान लिया। मेरे भीतर का प्रपंच एक क्षण में ही माटी मे मिल गया। मैंने नाहक ही बैठे-बैठे यह पाप कर लिया। हाय ! मुझसे यह भारी भूल कैसे हो गई ? अब मैं क्या करुँ ? मैं क्या सोच रही थी, और क्या से क्या निकला ? ऐसा भयंकर अनर्थ मुझसे कैसे हो गया, यह मुझे पता ही नहीं चला। पता नहीं मेरे ऐसे कौन से कर्म रहे होंगे, कि मुझसे यह बवंडर हो गया। मेरी सुमति कब कुमति में तबदील हो गई, मैं भाँप ही न पाई। मैं ऐसे अनर्थकारी मार्ग पर चलुँगी, ऐसा तो मैंने स्वपन में भी नहीं सोचा था। अब मैं भगवान शंकर जी को जाकर क्या उत्तर दूँगी ? मैंने अपने अज्ञान को श्रीराम जी के दिव्य प्रभाव पर थोपा, व शंकर जी की एक न मानी-

'मैं संकर कर कहा न माना।
निज अग्यानु राम पर आना।।
जाइ उतरु अब देहउँ काहा।
उर उपजा अति दारुन दाहा।।'

श्रीसती जी के बोझिल कदम भगवान शंकर की ओर बड़ी मुश्किल से बढ़ रहे हैं। जितने वेग से श्रीसती जी, परीक्षा लेने हेतु भगवान शंकर से दूर हुई थी। उतने ही कठिन व भारी मन से वे वापिस लौट रही हैं। उनके कदमों में मानों बड़े-बड़े पर्वत बाँध दिये गये थे, कारण कि कदम हिल तक नहीं पा रहे थे। श्रीसती जी एवं भगवान शंकर के बीच, चंद कदमों की यह दूरी, मानों सागर के दो किनारों का मिलन हो चुका था। जो दूरी श्रीसती जी ने, कुछ ही पलों पहले क्षण भर में माप ली थी, वही दूरी उनसे ऐसी प्रतीत हो रही थी, मानों इसे पाटने में युगों भी लग जायें, तो भी कम होगा।

श्रीराम जी ने जब देखा, कि श्रीसती जी के मन में क्षोभ की ज्वाला धधक रही है। वे अत्यंत दुखी हैं। ऐसे में श्रीराम जी अपनी माया का प्रभाव कम करके, अपनी एक और लीला को प्रगट करना चाह रहे हैं।

श्रीराम जी ने, अपनी कौन सी लीला प्रगट की, जानेंगे अगले अंक में---(क्रमशः)---जय श्रीराम।

- सुखी भारती

दिल्ली में 50 डिग्री के करीब पहुंचा पारा, आसमान से बरसती आग और लू ने झुलसाया; घर से बाहर न निकलने की सलाह

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले दो दिनों से दिल्ली के कई इलाकों का तापमान 48 डिग्री पार जा रहा था लेकिन मंगलवार को यह रिकॉर्ड भी टूट गया। दिल्ली के मुंगेशपुर और नरेला में तापमान 49.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं नजफगढ़ में 49.8 डिग्री सेल्सियस तापमान पहुंचा। दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमन 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। पिछले दो दिनों से दिल्ली के कई इलाकों का तापमान 48 डिग्री पार जा रहा था, लेकिन मंगलवार को यह रिकॉर्ड भी टूट गया। दिल्ली के मुंगेशपुर और नरेला में तापमान 49.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, नजफगढ़ में 49.8 डिग्री सेल्सियस तापमान पहुंचा। दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमन 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतक 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली में हीटवेव का रेड अलर्ट (Red Alert for Heatwave) जारी किया है। IMD के अनुसार, अभी दो दिन गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं है।

दिल्ली के पास गाजियाबाद में पारा 45.6, गुरुग्राम में 47, फरीदाबाद में 47.4, नोएडा में 47.3 और रेवाड़ी में 47 डिग्री पहुंच गया।

सोमवार को 48 पार था तापमान

दिल्ली के मुंगेशपुर में सोमवार को सबसे ज्यादा तापमान 48.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, नजफगढ़ में 48.6, नरेला में 48.4, पीतमपुरा में 47.6, पूसा में 47.2 और जफरपुर में 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, मुंगेशपुर में रविवार को भी तापमान 48.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

दिल्ली के ये इलाके रहे सबसे गर्म

इलाका	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
पालम	47	30
लोधी रोड	46.2	26.4
रिज	47.5	28.1
आयानगर	47.6	28.5
जाफरपुर	48.6	28
मुंगेशपुर	49.9	26
नजफगढ़	49.8	29.5
नरेला	49.9	27.3
पीतमपुरा	48.5	32.2
गुरुग्राम	47	26.7
फरीदाबाद	48.4	28.3
गाजियाबाद	45.6	29.3
नोएडा	47.3	28.8
रेवाड़ी	47	-

क्यों दर्ज हुआ सबसे ज्यादा तापमान

मौसम विभाग के क्षेत्रीय प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि नजफगढ़ और मुंगेशपुर में इतना अधिक तापमान दर्ज किया गया, क्योंकि ये शहर के बाहरी इलाके थे। उन्होंने कहा, दूसरा कारण हवा की दिशा है। जब हवा पश्चिम से चलती है तो उन क्षेत्रों को सबसे पहले प्रभावित करती है। चूंकि वे बाहरी इलाके में हैं, तापमान तेजी से बढ़ता है। श्रीवास्तव ने कहा कि शहर में लू का प्रकोप अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा।

लोगों को घरों में रहने की सलाह

मौसम विभाग और डॉक्टरों ने जरूरी काम न हो तो घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है। लोग घरों में ही रहें तो लू की चपेट में आने से बच सकते हैं। साथ ही खुद को ठंडा रखने के लिए पानी, नींबू पानी पीते रहें। अगर दोपहर में घर से बार जाना है तो खुद को ढककर निकलें, ताकि लू से बचा जा सके।

अस्पताल में बढ़े हीट स्ट्रोक और बुखार के मरीज

आरएमएल अस्पताल के इमरजेंसी मेडिसिन की विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा वासनिक ने बताया कि अस्पताल में बहुत तेज बुखार के साथ मरीज पहुंच रहे हैं। 50 वर्ष से अधिक उम्र के एक मरीज को संजय गांधी स्मारक अस्पताल से स्थानांतरित कर हीट स्ट्रोक यूनिट में भर्ती किया गया है, जो वेंटिलेटर पर है। तब मरीज को अस्पताल लाया गया तब उन्हें 104 डिग्री बुखार था।

अस्पतालों में बेड आरक्षित

हीट स्ट्रोक के बढ़ते खतरे के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने अपने सभी 27 अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों के इलाज के लिए बेड आरक्षित करने का निर्देश दिया है। इसके तहत 26 अस्पतालों में दो-दो बेड आरक्षित रहेंगे। इसके अलावा लोकनायक अस्पताल में हीट स्ट्रोक के मरीजों के इलाज के लिए पांच बेड आरक्षित रखे जाएंगे। केंद्र सरकार के आरएमएल अस्पताल में पहले से ही हीट स्ट्रोक यूनिट संचालित की जा रही है।

44-48 डिग्री के बीच रहेगा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, इस सप्ताह दिल्ली में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 48 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इसमें कहा गया है कि शहर सोमवार को रेड अलर्ट पर था और अगले तीन दिनों तक ऐसा ही रहेगा। 2023 में दिल्ली में मई के दौरान एक भी दिन लू नहीं चली, जबकि 2022 में चार दिन लू चली।

और कब-कब रिकॉर्ड हुआ अधिकतम तापमान

आयानगर में 28 मई 1988 को 47.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया और 11 जून 2019 को 47 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। (1967-2024)

पालम में 26 मई 1998 को 48.4 डिग्री सेल्सियस और 10 जून 2019 को 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। (1956-2024)

रिज में 16 मई 2022 को 47.2 डिग्री सेल्सियस और 7 जून 2014 को 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। (1973-2024)

सफदरजंग में 29 मई 1944 को 47.2 और 17 जून 1945 को 46.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। (1931-2024)

दिल्ली में मंडराने वाला है जलसंकट, दिन में सिर्फ एक बार होगी पानी की आपूर्ति

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक बार फिर से हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा हरियाणा सरकार से बात करने के बाद भी स्थिति नहीं सुधरी है। इस कारण अब दिल्ली सरकार को पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा। यमुना में कम पानी छोड़ने के कारण दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

नई दिल्ली। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक बार फिर से हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, हरियाणा सरकार से बात करने के बाद भी स्थिति नहीं सुधरी है। इस कारण अब दिल्ली सरकार को पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा। यमुना में कम पानी छोड़ने के कारण दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इससे निपटने के लिए कुछ क्षेत्रों में जहां दिन में दो बार जल आपूर्ति (Water Supply) की जाती है, वहां सिर्फ एक बार सप्लाई करने का निर्णय लिया गया है। इससे बचने वाला पानी प्रभावित क्षेत्र में सप्लाई होगा।

कम पानी छोड़ने पर गिरा जलस्तर

प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा, दिल्ली में जल आपूर्ति यमुना पर निर्भर है। यमुना में जल स्तर को बनाए रखने की जिम्मेदारी हरियाणा पर है। कम पानी छोड़े जाने के कारण वजीराबाद में जल स्तर नीचे गिर गया है, जिससे जल आपूर्ति बाधित हो रही है।

मई से कम मिल रहा पानी, गिर रहा जलस्तर

पिछले वर्ष अप्रैल, मई व जून में वजीराबाद में जल स्तर 674.5 फीट था। एक मई से ही हरियाणा ने दिल्ली को इसके हिस्से का पानी देना कम कर दिया, जिससे यमुना का जल स्तर गिर रहा है। एक मई को वजीराबाद का जलस्तर 674.5 फीट जल स्तर बना हुआ था। एक सप्ताह के अंदर यह गिरकर 672 फीट पर आ गया था। 20 मई को 671 फीट, 24 मई को 670.2 फीट और 28 मई को और नीचे गिरकर 669.8 फीट तक पहुंच गया है।

दिल्ली के जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से 30 से 35 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम उपचारित पानी कम मिल रहा है। इस कारण पिछले लगभग एक सप्ताह से दिल्ली के कई क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि समस्या कम करने के लिए 14 घंटे तक बोरवेल चलाया जा रहा है। पहले छह से सात घंटे इन्हें चलाया जाता था। वाटर टैंकर की संख्या भी बढ़ाई गई है। समस्या को देखते हुए कई और कदम उठाने पड़ रहे हैं। दिल्ली के कई हिस्से जहां दिन में दो बार पानी की आपूर्ति की जाती है वहां एक बार होगी। उन्होंने लोगों से वाहन धोने, अनावश्यक पानी का मोटर चलाकर छोड़ देने सहित अन्य तरह से पानी बर्बादी नहीं करने की अपील की। जरूरत पड़ने पर पानी बर्बाद करने वालों पर जुर्माना करने की भी चेतावनी दी।

वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल ने ट्राइएज और ग्रीन जोन का उद्घाटन किया

बेहतर बुनियादी ढांचे से रोगी की देखभाल में काफी मदद मिलेगी : डॉ. वंदना तलवार

नई दिल्ली। विश्व आपातकाल दिवस के अवसर पर आपातकालीन ब्लॉक का उद्घाटन डीजीएचएस, डॉ. अतुल गोयल की उपस्थिति में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार, प्रिंसिपल डॉ. गीतिका खन्ना और अतिरिक्त एमएस, डॉ. पी.एस.भाटिया द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभागाध्यक्षों व वरिष्ठ संकाय, नर्सिंग अधिकारी और अन्य कर्मचारी ने भाग लिया।

इस अवसर पर डीजीएचएस, डॉ. अतुल गोयल ने कहा कि यह रोगी प्रवाह को सुव्यवस्थित करेगा और गंभीर मामलों को प्राथमिकता देगा, त्वरित और कुशल आपातकालीन देखभाल सुनिश्चित करेगा। 5 वर्षों में मरीजों की संख्या में 25% की वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन 1500-2000 मरीज इमरजेंसी में आते हैं। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं के विशेषज्ञता के महत्व पर सभा को सलाह दी। उनके मार्गदर्शन पर ही सफदरजंग अस्पताल की शुरुआत हुई। उन्होंने

गुणवत्ता के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य देखभाल, ताकि मरीज़ ठीक हो सकें और जीवन की अच्छी गुणवत्ता प्राप्त कर सकें। चिकित्सा जैसी व्यापक विशिष्टताओं के विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

इसीक्रम में सर्जरी और बाल चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. वंदना तलवार ने इस बात पर जोर दिया कि आपातकालीन चिकित्सा की स्थापना समय की मांग थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार का पुनर्गठन किया जाए। आपात्काल में सेवाएं और प्रभावी होंगी। बुनियादी ढांचे के साथ-साथ दैनिक सेवाओं में सुधार के बारे में इंजेक्शन और दवा वितरण काउंटर, प्वाइंट ऑफ केयर लैब सेवाएं और आपातकाल में ही सुपरस्पेशलिटी सेवाओं की उपलब्धता के विषय में विश्व आपातकाल दिवस पर आपातकालीन चिकित्सा और देखभाल के महत्व पर टीम का ध्यान आकर्षित किया।

प्राचार्या डॉ. गीतिका खन्ना ने शिक्षा के महत्व के बारे में बताया कि ट्राइएज में आपातकालीन चिकित्सा देखभाल और दैनिक प्रशिक्षण पर उन्होंने अपडेट भी दिया। इमरजेंसी में डीएनबी प्रोग्राम शुरू करने के लिए कॉलेज ने प्रस्ताव भेजा। उन्होंने आपातकाल के लिए विशेष संकाय की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

इसी क्रम में अतिरिक्त एमएस, डॉ. पी.एस. ने कहा कि तीव्र जांच और प्रबंधन उपकरणों की सुविधाओं के साथ रोगियों के सुचारू प्रवाह से रोगी देखभाल के परिणाम में सुधार होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ट्रॉली, व्हीलचेयर, मॉनिटर और पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीनों के संदर्भ में बेहतर बुनियादी ढांचे से रोगी की देखभाल में काफी मदद मिलेगी।

वहीं, डॉ. चारु बाम्बा ओआईसी एनईबी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और उनके अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

इस समारोह आपातकालीन चिकित्सा के कार्यवाहक एचओडी डॉ. अरिन चौधरी द्वारा आपातकाल के पुनर्विकास में योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देने के साथ समाप्त हुआ।

मासूमों की मौत के असली कातिल कौन? सिस्टम से सवाल

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। दिल्ली के विवेक विहार स्थित बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड हास्पीटल में शनिवार की रात 7नवजात मासूमों की आग से जलकर हुई दर्दनाक मौत के पीछे के असली गुनाहगार कौन है? पर चर्चा खासी गर्म है। और इस वीभत्स घटना ने आम लोगों के सीने को भी धधका दिया है। गुस्साए करोडों लोगों के जहन में एक ही अजगरी सवाल कौंध रहा है कि आखिर इन अवैध अस्पतालों की मीनारे चढ़वाने वाले कथित सरकारी सिस्टम का अमला मौटी-मौटी तनख्वाह से जेबे भरने के बाद चंद टुकडों की खातिर तमाम नियम कायदों की धज्जियां उडाकर समाज के इन दरिंदों के साथ खडे हो गए हैं। कायदे से इन अस्पतालों पर नजर एवं नियंत्रण करने के लिए बाकायदा एक भारी भरकम सरकारी विभाग डायरेक्टर जर्नल हैल्थ सर्विसेज (DGHS) को बनाया गया है। बावजूद इसके काम की कोताही इस कदर सामने आई है कि बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पीटल में 12 से ज्यादा नवजात मासूम भर्ती किए गए थे। जबकि 5 बेडस की परमिशन का रजिस्ट्रेशन था। अब लगे हाथ यह भी खुलासा कर दें कि इस कथित बेबी केयर सेंटर का रजिस्ट्रेशन तक मार्च महीने में ही खत्म हो चुका था। बावजूद इसके उगाही के बल पर सेंटर को बेखौफ चलाया जा रहा

था। जबकि अस्पताल का लाइसेंस नवीकरण के लिए फरवरी में अप्लाई किया था। पूरे सरकारी अमले को लाइसेंस खत्म होने की जानकारी होने के बावजूद संबधित विभाग का सरकारी अमला अब तक नहीं फटका था। दरअसल पैसे के बल पर बेबी केयर सेंटर धड्डले से चलाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नर्सिंग होम फॉरम के चेयरमैन डॉक्टर वीके मोंगा के मुताबिक मास्टर प्लान, 2021 की गाइडलाइंस के मुताबिक रेजिडेंशियल एरिया में स्वास्थ्य सुविधाए शुरू की जा सकती है। पर इसके लिए कम से कम 100 मीटर की जगह होनी अनिवार्य है। वहीं बिल्डिंग की हाइट कम से कम 15 मीटर और सडक 9 मीटर चौडी होनी चाहिए। इसके अलावा दिल्ली सरकार के (डीजीएचएस) के नर्सिंग होम सेल में रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होता है। उन्हें यह बताना होता है कि कितने बेड है? बेड्स के हिसाब से कितने डॉक्टर, स्पेशलिस्ट, नर्सिंग स्टाफ है। पेशंट के लिए पूरी सुविधाए जिनमें स्ट्रेचर, व्हील चेयर, एंबुलेंस की स्थित से अवगत कराने के लिए बाकायदा नर्सिंग होम सेल की टीम अस्पताल की विजिट करती है। इस दौरान उन्हें फायर और एनवायरनमेंट एनओसी देनी होती है। इन सारी फारमैलिटी की जांच के बाद ही 3 साल का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिया जाता है। हर 3 साल बाद समय से नवीकरण जरूरी होता है। अगर इस दौरान कोई भी बदलाव हुआ है, तो उसे भी बताना जरूरी होता है। यहां ये भी बता दें कि नए नियम के अनुसार अस्पताल की ऊंचाई 9 मीटर से ज्यादा है तो फायर विभाग से एनओसी लेना आवश्यक है। बता दें कि इस सेंटर में एक भी मानक का पालन नहीं हो रहा था। बावजूद इसके ना तो (डीजीएचएस) डायरेक्टर जर्नल हैल्थ सर्विसेज विभाग ने और न ही फायर विभाग, एनवायरनमेंट, समेत बेड्स व हाइजिनिक के लिए, एमसीडी, ने ही सुध ली। सबसे बडी बात की अस्पताल के ग्रांउड एरिया में कमर्शियल ऑक्सीजन सिलिंडर भरने का अवैध धंधा किया जा रहा था। जबकि लोकल लोगों ने इस अवैध सिलिंडर भराई की शिकायत संबधित सरकारी अमले को भी की जा चुकी थी। बावजूद इसके ऑक्सीजन सिलिंडर भराई का काम जारी रहा। नगर निगम से लेकर पुलिस महकमा, और हैल्थ सर्विसेज समेत एनवायरनमेंट का महकमा अपनी उगाही की ड्यूटी बजाता रहा। और आखिर 7 मासूमों को आग की भट्टी में झोंक दिया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार के 2022-23 के सर्वे के मुताबिक दिल्ली में 1068 अस्पताल और नर्सिंग होम है। इनमें से 68 सरकारी अस्पताल है। कुछ एमसीडी के बाकी तमाम प्राइवेट हैं। सूत्रों के मुताबिक कुल196 नर्सिंग होम और अस्पतालों के पास ही फायर एनओसी है। बाकी सभी पैसे के बल पर जारी है। दरअसल कायदे से एक भी नियम पूरा नहीं होने पर असुरक्षित माना जाता है। इस बेबी केयर सेंटर में एक ही घुमावदार लोहे की सीढी थी। जबकि कायदे से 2 रास्तों के अलावा 1,50 मीटर चौडी सीढी होनी चाहिए। वैसे इसके ओनर के खिलाफ पहले से ही कई मामले चल रहे हैं। बावजूद इसके पश्चिम पुरी में भी इसी नाम का केयर न्यू बोर्न बेबी अस्पताल चल रहा है। यहां एमबीबीएस एमडी डॉक्टर की जगह आरएमपी डाक्टर थे। जो इस तरह के बेबी का इलाज नहीं कर सकते है। अब घटना घटने के बाद तमाम सरकारी अमला जांच में दिखावे के बतौर जुट गया है। लेकिन सरकारी सिस्टम के इस रवैए पर लगाम लगाए तो कौन? ये अजगरी सवाल इन कथित अस्पताल और नरसिंग होम के लुटे-पिटे पेशंटों के सीने में धधक रही आग आखिर शांत हो तो कैसे?

दिल्ली में मंडराने वाला है जलसंकट, दिन में सिर्फ एक बार होगी पानी की आपूर्ति

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक बार फिर से हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा हरियाणा सरकार से बात करने के बाद भी स्थिति नहीं सुधरी है। इस कारण अब दिल्ली सरकार को पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा। यमुना में कम पानी छोड़ने के कारण दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

नई दिल्ली। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक बार फिर से हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, हरियाणा सरकार से बात करने के बाद भी स्थिति नहीं सुधरी है। इस कारण अब दिल्ली सरकार को पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ेगा। यमुना में कम पानी छोड़ने के कारण दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इससे निपटने के लिए कुछ क्षेत्रों में जहां दिन में दो बार जल आपूर्ति (Water Supply) की जाती है, वहां सिर्फ एक बार सप्लाई करने का निर्णय लिया गया है। इससे बचने वाला पानी प्रभावित क्षेत्र में सप्लाई होगा।

कम पानी छोड़ने पर गिरा जलस्तर : प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा, दिल्ली में जल आपूर्ति यमुना पर निर्भर है। यमुना में जल स्तर को बनाए रखने की जिम्मेदारी हरियाणा पर है। कम पानी छोड़े जाने के कारण वजीराबाद में जल स्तर नीचे गिर गया है, जिससे जल आपूर्ति बाधित हो रही है।

मई से कम मिल रहा पानी, गिर रहा जलस्तर : पिछले वर्ष अप्रैल, मई व जून में वजीराबाद में जल स्तर 674.5 फीट था। एक मई से ही हरियाणा ने दिल्ली को इसके हिस्से का पानी देना कम कर दिया, जिससे यमुना का जल स्तर गिर रहा है। एक मई को वजीराबाद का जलस्तर 674.5 फीट जल स्तर बना हुआ था। एक सप्ताह के अंदर यह गिरकर 672 फीट पर आ गया था। 20 मई को 671 फीट, 24 मई को 670.2 फीट और 28 मई को और नीचे गिरकर 669.8 फीट तक पहुंच गया है।

दिल्ली के जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से 30 से 35 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम उपचारित पानी कम मिल रहा है। इस कारण पिछले लगभग एक सप्ताह से दिल्ली के कई क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है।

कोकोनट फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

सोहना। सोहना कस्बे के निकटवर्ती गांव आटा में स्थित कोकोनट फैक्ट्री में भीषण आग लग गई । आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया । आग को बुझाने में फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया । वहीं आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

कस्बे के इंद्री मार्ग पर स्थित गांव आटा में इंफा प्रोडक्ट फैक्ट्री में सोमवार दोपहर को अचानक आग लग गई। आग लगने से फैक्ट्री में अफरा तफरी मच गई। फैक्ट्री संचालकों ने तुरंत ही आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड विभाग को सूचना दी। सूचना मिलने पर सोहना, तावडू व नूंह की 4 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं तथा आग को बुझाने लगी। जिन्होंने करीब 4 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया । आग से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया । आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। फैक्ट्री संचालक विनोद डागर ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी कुछ पता नहीं चला है। आग से लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा है। वहीं फायर ब्रिगेड विभाग अधिकारी जयबीर भड़ाना ने बताया कि आग पर पूर्ण रूप से काबू कर लिया है। कारणों का पता नहीं लग सका है।

रोजकोट की घटना के बाद नोएडा में चार गेमिंग जोन को कराया बंद, आग से संबंधी मिली थी खामियां, संचालकों पर होगा केस

परिवहन विशेष न्यूज

गुजरात के राजकोट स्थित गेमिंग जोन में लगी आग में 12 बच्चों समेत 27 लोगों की मौत के बाद अग्निशमन विभाग मनोरंजन अधिकारी विद्युत सुरक्षा विभाग की ओर जिले के सभी गेमिंग जोन में जांच अभियान अभियान चलाया गया। दो दिन चले जांच अभियान में सामने आया है कि 27 में चार गेमिंग जोन बिना फायर एनओसी के खिलाफ चल रहे थे।

नोएडा। गुजरात के राजकोट स्थित गेमिंग जोन में लगी आग में 12 बच्चों समेत 27 लोगों की मौत के बाद अग्निशमन विभाग, मनोरंजन अधिकारी, विद्युत सुरक्षा विभाग की ओर जिले के सभी गेमिंग जोन में जांच अभियान अभियान चलाया गया। दो दिन चले जांच अभियान में सामने आया है कि 27 में चार गेमिंग जोन बिना फायर एनओसी के खिलाफ चल रहे थे।

चार गेमिंग जोन के संचालकों को मंगलवार को नोटिस दिया गया है। बुधवार को सभी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जा सकती है। जिले में सेक्टर-18 स्थित माल आफ इंडिया, सेक्टर-38ए स्थित जीआइपी, फन सिटी, स्पेक्ट्रम माल, स्मैश, टिंगलैंड, मिरर मांज, स्नोवल्ड, द हिंडन आवर, वेदा एंडवचैर, पीवीआर लाजिक्स, मिस्टीरियस रुमस, नोएडा प्ले बॉक्स, टाइम जोन, कोड ब्रेक नोएडा, अप्पू घर एक्सप्रेस सहित नोएडा और ग्रेटर नोएडा के कई शापिंग माल में गेमिंग जोन है।

मंगलवार को नोएडा के ब्लू सफायर मॉल स्थित अमीबा गैलेक्सी, सेक्टर-129 स्थित स्मैश गुलशन मॉल, सेक्टर-132 स्थित रोहिल्लापुर में क्लाइंब सिटी, गौर सिटी माल स्थित टाइम जोन, हैमलेस, ईस्ट लंदन टायज, एलइडी किड्स, रिले एंड पार्टी कार्निवल गैलेक्सी, ग्रेटर नोएडा के ग्रैंड वेनिस माल स्थित स्काई वाक, स्नो मस्ती, मस्ती ट्रैंपोलिन पार्क, ग्रेटर नोएडा के ओमेक्स कनाट प्लेस स्थित आमोद का निरीक्षण किया गया।

अग्निशमन विभाग की ओर से जांच में सामने आया है कि जिले में 27 गेमिंग जोन हैं। इनमें चार बिना अनुमति के चल रहे थे। सेक्टर-41 डायमंड, सेक्टर-104 स्थित हिंग, सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम माल और गौर सिटी माल के अंदर एक गेमिंग जोन बिना अनुमति संचालित होता मिला है।

इन गेमिंग जोन को बंद करा दिया गया है। प्रवेश मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी। निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारियों द्वारा गेमिंग जोन के संचालकों को निर्देश दिया गया है कि वह सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रखें। क्षमता से अधिक व्यक्तियों को जोन में प्रवेश न दिया जाएं।

23 अस्पताल बिना पंजीकरण और फायर एनओसी के संचालित

अग्निशमन विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग को बिना फायर एनओसी चल रहे 50 अस्पताल की लिस्ट सौंपी है। डिप्टी सीएमओ डॉ. चंदन सोनी का कहना है कि जांच के दौरान पता चला है कि फायर विभाग की ओर से जनवरी में निरीक्षण किया गया था। इसके बाद नौ अस्पतालों ने फायर उपकरण दुरुस्त कराते हुए एनओसी प्राप्त कर ली है। वहीं, 17

अस्पतालों ने एनओसी के लिए आवेदन कर रखा है। बाकी बचे हुए 23 अस्पतालों की लिस्ट झोलाछाप और बिना पंजीकरण चल रहे अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अधिकृत डा. जैसलाल को सौंपी है।

जिन अस्पतालों ने आवेदन कर रखा है। वहां भी निरीक्षण कर जरूरी कार्रवाई की जाएगी। विभाग मानकों की भौतिक जांच करेगा। गड़बड़ी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग को लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति करेंगे। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा बिना फायर एनओसी चल रहे अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए निर्देशत किया गया है। बता दे कि जिले के अधिकतर निजी अस्पतालों के लाइसेंस नवीनीकृत हो गए हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ इससे राहत मिलने वाली नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी आडिट शुरू होने वाला है। इनमें फेल होने पर लाइसेंस को खतरा हो सकता है।

"चार गेमिंग जोन के खिलाफ फायर संबंधी खामियां मिली हैं। इन्हें तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया है। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। -प्रदीप कुमार चौब, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, गौतमबुद्धनगर"

गौतमबुद्ध नगर में खुलेगा पहला रेल कोच रेस्टोरेंट, लजीज मनपसंद व्यंजनों का ले सकेंगे स्वाद

ग्रेटर नोएडा। दादरी रेलवे स्टेशन पर जिले का पहला रेल कोच रेस्टोरेंट खुलेगा। जहां बैठकर यात्रियों संग जिले के लोग मनपसंद व्यंजनों का जायका ले सकेंगे। अभी पिछले दिनों ही नोएडा के 137 मेट्रो स्टेशन पर स्टेशन के नीचे मेट्रो कोच रेस्टोरेंट की शुरुआत हुई है। जो लोग खूब लुभा रहा है। दरअसल देशभर में एरोप्लेन कोच रेस्टोरेंट और मेट्रो कोच रेस्टोरेंट काफी चलन में आ चुके हैं। इसी तर्ज पर रेलवे ने दादरी रेलवे स्टेशन पर रेलवे कोच रेस्टोरेंट बनाने की योजना बनाई है। लोगों को नए तरह के रेस्तरा में खानपान का अनुभव दिलाने के लिए रेलवे इससे पहले ऐसा प्रयोग सूबे के छह जिलों में कर चुकी है।

इन जनपदों में लखनऊ, बरेली, वाराणसी, झांसी, आगरा कैंट व प्रयागराज शामिल है। जहां रेलवे को अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। जिसके बाद अब दादरी रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट खोले जाने की योजना रेलवे के अधिकारियों ने बनाई है। आरओबी के नीचे बनाया जाएगा रेस्टोरेंट

अभी कुछ दिनों पहले वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु शुक्ला ने दादरी रेलवे स्टेशन का दौरा किया था। जिसमें उन्होंने रेलवे के अधिकारियों को भविष्य में स्टेशन पर दी जाने वाली सुविधाओं की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

46.6 डिग्री का टॉर्चर झेल रहे गुरुग्राम वाले, 2 साल बाद मई में पड़ रही भीषण गर्मी; एडवाइजरी जारी

गुरुग्राम में मंगलवार को 46.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। लू से बचाव के लिए गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें अपना सिर ढककर रखें कपड़े हैट अथवा छतरी का उपयोग करें पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।

गुरुग्राम। क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है। 46.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ सोमवार सीजन का सबसे गरम दिन रहा। सुबह से शाम तक तेज धूप और गर्मी लोगों को बेहाल करती रही। दोपहर इतनी तपी कि सड़कें और बाजार भी सूनसान हो गए।

न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालात यह है कि रातें भी ठंडी नहीं हो पा रही हैं। घरों में एसी और कूलर बंद नहीं हो पा रहे हैं। दिन में सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों के एसी भी बेअसर हो रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार आगामी एक सप्ताह में प्रचंड गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। बता दें कि वर्ष 2022 में 16 मई को अधिकतम तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद अब मई में इतना पारा पहुंचा है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है।

खूब पानी पीएं

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। लू से बचाव के लिए गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।

घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें। दिन में 12 बजे से 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें। उन्हें घर के भीतर रखें।

गाजियाबाद की इस सोसायटी में अवैध रजिस्ट्री पर लगी रोक, एनओसी के बिना नहीं बनेगी एओए

आवास विकास परिषद (आविप) ने बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के अपार्टमेंट आनर एसोसिएशन (एओए) के गठन की कार्रवाई नहीं करने को लिए डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज व चिट्स को पत्र लिखा है। इससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। मामला गार्डेनिया ग्लैमर सोसायटी का है। फ्लैटों की अवैध रूप से हो रही रजिस्ट्री को लेकर लोग करीब एक साल से परेशान हैं।

साहिबाबाद। वसुंधरा सेक्टर-तीन स्थित गार्डेनिया ग्लैमर सोसायटी में फ्लैटों की हो रही अवैध रजिस्ट्री पर रोक लग गई है। आवास विकास परिषद (आविप) ने बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के अपार्टमेंट आनर एसोसिएशन (एओए) के गठन की कार्रवाई नहीं करने को लिए डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज व चिट्स को पत्र लिखा है। इससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

आविप के संपत्ति प्रबंधक आनंद कुमार गौतम ने डिप्टी रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर बताया है कि बिल्डर मैसर्स फ्यूटेक सेल्टर प्राइवेट लिमिटेड पर परिषद का एक अरब 20 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक का बकाया है।

अवैध रजिस्ट्री रोकने के लिए रजिस्ट्रार को लिखा था पत्र

अनुबंध के अनुसार बकाया चुकाए बगैर बिल्डर फ्लैटों की रजिस्ट्री नहीं कर सकता है, लेकिन वह ऐसा कर रहा है। इस संबंध में उसे नोटिस जारी किया जा चुका है। अवैध रजिस्ट्री रोकने के लिए रजिस्ट्रार को पत्र लिखा गया था।

उपनिबंधक सदर द्वितीय व चतुर्थ ने अवैध रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है। बिल्डर को आविप से चल रहे मामले को निस्तारित करने को कहा है। इस वजह से यहां एओए के गठन की कार्रवाई आविप के अनापत्ति के बाद कराई जाए, जिससे आवंटियों के हित की रक्षा हो चुके।

ऊहापोह की स्थिति में थे लोग

फ्लैटों की अवैध रूप से हो रही रजिस्ट्री को लेकर लोग करीब एक साल से परेशान हैं। कुछ इसे वैध मान रहे थे तो कुछ अवैध। आविप ने गत वर्ष सोसायटी में इस संबंध में पोस्टर लगाकर अवगत कराया था कि बिल्डर पर बकाया है।

फ्लैटों की रजिस्ट्री अवैध रूप से हो रही है। बावजूद इसके बिल्डर ने कुछ लोगों को बरगला कर अवैध रजिस्ट्री करा दी । अब अवैध रजिस्ट्री पर रोक लगने से असमंजस की स्थिति समाप्त हो गई है।

आर्थिक मोर्चे पर भारत का सुनहरा भविष्य

आखिर भारत में यह बदलाव क्यों हो रहा है और भारतीय अर्थव्यस्था इस तरह अग्रसर क्यों है? इसकी मोटी वजह यहां तेजी से विकसित हो रहा बुनियादी ढांचा है। बुनियादी ढांचे में भारत में निवेश लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही भारत में निर्माण गतिविधियां भी तेज हैं।...

इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय भारतीय चुनाव अभियान के दौरान विपक्षी दल महंगाई को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय संयुक्त राष्ट्र संघ साल 2024 में भारत में मुद्रास्फीति साढ़े चार फीसद रहने का अनुमान जता रहा था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट में जताया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के इस अनुमान रिपोर्ट में भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

भारत के लिए निश्चित तौर पर यह अनुमान सुखद और उत्साहित करने वाला है। इसकी वजह यह है कि दुनिया की विकसित कही जाने वाली ज्यादातर पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में लगातार गिरावट जारी है। पश्चिमी मुल्कों की अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर कमजोर होती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में पड़ोसी चीन की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी। लेकिन वह अब गिरने लगी है। विश्व बैंक ने मौजूदा साल में उसकी अर्थव्यवस्था में महज साढ़े चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी का अनुमान लगाया था, हालांकि अब उसमें उसने थोड़ा सुधार करके उसे 5.2 प्रतिशत की बढ़त का अनुमान लगाया गया है।

आखिर भारत में यह बदलाव क्यों हो रहा है और भारतीय अर्थव्यस्था इस तरह अग्रसर क्यों है? इसकी मोटी वजह यहां तेजी से विकसित हो रहा बुनियादी ढांचा है। बुनियादी ढांचे में भारत में निवेश लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही भारत में निर्माण गतिविधियां भी तेज हैं। यह भी सच है कि भारत के लिए यहां की बेतहाशा बढ़ी जनसंख्या भी चुनौती बन रही है। लेकिन इसके साथ ही कटु सत्य यह है कि बढ़ती जनसंख्या के चलते उपभोक्ता बाजार तेजी से बढ़ता है। उसमें खपत के लिए निर्माण और उत्पाद का दायरा बढ़ता है। यह पूरी प्रक्रिया आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाती है और इस तरह जीडीपी में बढ़ोत्तरी होती है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन गया है। इसकी वजह से भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार तैयार है। इस बाजार में खपत के लिए तमाम तरह के उत्पादों की जरूरत बढ़ी है। जनसंख्या, उत्पादन, खपत और बाजार की कड़ियां इस तरह भारत में तेजी से बढ़ रही हैं। इसलिए भारतीय जीडीपी में तेजी आ रही है।

बाजार लाख बड़ा हो, अगर सरकारी नीतियां उपभोक्ता, उत्पादक, खरीददार और विक्रेता के बीच संतुलन के साथ ही नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली नहीं होती तो आर्थिक गतिविधियां तेज नहीं होती। इस संदर्भ में मोदी सरकार को भी श्रेय दिया जाना चाहिए, जिसने भारतीयता की सोच के साथ देसी दुनिया को वैश्विक आधारों से जोड़ने के साथ ही भारत को उत्पादन का हब बनाने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नीतियों का ही असर है कि भारत में साल 2014 की 350 की तुलना में इन दिनों एक लाख तीस हजार स्टार्ट अप हैं। जिनमें यूनिकॉर्न यानी एक अरब की पूंजी वाले स्टार्टअप की संख्या सौ से ज्यादा है। इसके साथ ही सात में पहली बार जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर से वसूली 2 लाख करोड़ रुपये के पार हो गई है। मौजूदा साल के अप्रैल में कुल जीएसटी वसूली 2.1 लाख करोड़ रुपये रही, जो साल 2023 के अप्रैल के मुकाबले 12.4 फीसद ज्यादा है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान घरेलू लेन-देन का रहा, जिसमें पिछले साल के मुकाबले 13.4 फीसद बढ़ गया। पिछले साल अप्रैल में सरकार को 1.87 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी वसूली हुई थी।

वित्त मंत्रालय के एक मई को बताया कि रिफंड के बाद अप्रैल महीने की शुद्ध जीएसटी वसूली 1.92 लाख करोड़ रुपये रही है। जो इसी पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 17.1 प्रतिशत ज्यादा है। साल 2017 में जबसे जीएसटी कानून लागू हुआ है, हर साल इसमें बढ़ोत्तरी होती जा रही है। जीएसटी लागू होने के फौरन बाद 2017-18 में जहां औसत जीएसटी एक लाख करोड़ रुपये से कम रही, वहीं, कोरोनाकाल के बाद 2020-21 से यह लगातार बढ़ रही है। साल 2022-23 में जीएसटी वसूली औसतन 1.51 लाख करोड़ रुपये हर महीने रही है। यह बढ़ोत्तरी ही बताने के लिए काफी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था किस कदर बढ़ रही है।

चार जून को आने वाले चुनाव नतीजों के बाद उम्मीद की जा रही है कि एक बार फिर मोदी सरकार ही आएगी। विपक्षी दलों ने अपनी नीतियों में आर्थिक मोर्चे पर कुछ समाजवादी और वाम वैचारिकी प्रेरित योजनाएं लाने का वादा जरूर किया है। लेकिन यह भी सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था जिस तरह आगे बढ़ चुकी है, उसमें उनके लिए भी कुछ ज्यादा करने की गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्हें भी मौजूदा आर्थिक चलन के ही मुताबिक आगे बढ़ना होगा। भले ही वे जीएसटी को कम करने या उसका ढांचा सुधारने का वादा करते रहे हों, लेकिन उनके लिए भी आमूलचूल बदलाव ला पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि इस दिशा में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद आगे बढ़ चुकी है।

भारत सदियों से कृषि संस्कृति वाला देश है। भारत की दो तिहाई आबादी सीधे खेती-किसानी से जुड़ी है। भारतीय खेती मानसून की बेहतरी पर ज्यादा निर्भर है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आने वाले साल में मानसून सामान्य रहेगा। इसका मतलब यह है कि अगले साल भी खेती - किसानी में बेहतर स्थिति रहेगी। उत्पादन बढ़ेगा और इसकी वजह से भारत के अन्न भंडार भरे रहेंगे। इसकी वजह से ग्रामीण इलाकों में खरीद में तेजी आएगी। मानसून बेहतर रहता है तो भारत के दूर- दराज के बाजारों में भी आर्थिक गतिविधियां तेज रहती हैं। इसकी वजह से भी भारतीय आर्थिकी तेजी से आगे बढ़ती रहेगी।

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, संस्कृति और सभ्यता भी दुनिया की नजरों में और आकर्षक हो सकती है। इसकी वजह से नए तरह की उत्पादकता भी भारत में दिख सकती है। सभ्यता, संस्कृति, तीर्थाटन और पर्यटन के साथ ही भारतीय पारंपरिक चिकित्सा व्यवस्था और योग भारत की अनुपम संपत्ति हो सकते हैं। इसे देखते हुए भारत की मौजूदा सरकार ने देश के स्वास्थ्य ढांचा को पहले की तुलना में बेहतर करना शुरू किया है। कोरोना काल के हालात की वजह से पारंपरिक भारतीय चिकित्सा व्यवस्था, भारतीय ज्ञान परंपरा, योग आदि की भी दुनिया में मांग बढ़ी है। दुनिया इनकी ओर उम्मीदभरी नजरों से देख रही है। इनकी वजह से भारत में विदेशों से धन भी आ रहा है। भारतीय तीर्थाटन की परंपरा को राम मंदिर, महाकाल मंदिर और विश्वनाथ कारीडोर जैसे नए मंदिरों और धार्मिक केंद्रों की ओर दुनियाभर से आ रहे श्रद्धालुओं की वजह से बुनियादी ढांचे और पर्यटन गतिविधियां बढ़ रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को इनके जरिए भी तेजी मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। भारतीय पर्यटन केंद्रों की अभी तक पूरी तरह से वैश्विक पहचान और ध्यान नहीं मिल पाया है। इस क्षेत्र में अभी काम किया जाना बाकी है। नए भारत में इस दिशा में भी सोचा जाना होगा। जब इनकी ओर ध्यान जाएगा, तो वैश्विक यात्रियों और सैलानियों की आवक तेज होगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में इसकी भी बड़ी भूमिका होगी।

इतिहास में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता रहा। इकबाल ने सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा गीत लिखकर भारत की इस समृद्ध परंपरा की महत्ता को ही दिखाने की कोशिश की है। प्राचीन काल में भारत की हैसियत विश्व गुरू की थी। भारत एक बार फिर उसी दिशा में आगे बढ़ने की ओर है। दुनियाभर में फैला भारतीय डायस्पोरा भी भारत को सालाना सौ अरब डॉलर से ज्यादा की रकम घर भेज रहा है। साल 2023 में यह रकम सवा सौ अरब डॉलर थी। जाहिर है कि सब मिलकर भारत को समृद्ध कर रहे हैं और भारतीय जीडीपी को बढ़ावा दे रहे हैं। दस साल से देश संभाल रही मोदी सरकार इसे और तेज करना चाहती है। यही वजह है कि पहले सौ दिन का एजेंडा तैयार कर लिया गया है। आने वाली सरकार पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमानों से कहीं अधिक तेज प्रदर्शन का दबाव रहेगा। क्योंकि मौजूदा चुनावों में बेरोजगारी भी बड़ा मुद्दा रही है।

10 जून को खुल जाएगा मुंबई कोस्टल रोड का दूसरा फेज, CM एकनाथ शिंदे ने खुद दी जानकारी

CM एकनाथ शिंदे ने कहा कि मरीन ड्राइव से वर्ली तक तटीय सड़क का दूसरा चरण 10 जून तक यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तटीय सड़क के दो से तीन विस्तार जोड़ों में रिसाव था और उन्हें पॉलिमर ग्राउटिंग का उपयोग करके प्लग किया जाएगा। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री Eknath Shinde ने मंगलवार को कहा कि वर्ली और मरीन ड्राइव के बीच तटीय सड़क का दूसरा चरण 10 जून तक खोल दिया जाएगा। शिंदे ने मरीन ड्राइव के अंत में दक्षिण की ओर जाने वाली सुरंग में एक रिसाव का भी निरीक्षण किया, जो मार्च में उद्घाटन किए गए तटीय सड़क के पहले चरण का एक हिस्सा है।

लीकेज को लेकर क्या कहा ?

निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि तटीय सड़क के दो से तीन विस्तार जोड़ों में रिसाव था और उन्हें पॉलिमर ग्राउटिंग का उपयोग करके प्लग किया जाएगा। शिंदे ने कहा कि उन्होंने मानसून के दौरान भी पानी के रिसाव से बचने के लिए सुरंग के प्रत्येक तरफ सभी 25 जोड़ों पर पॉलिमर ग्राउटिंग का भी सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य से तटीय सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित नहीं होगी और मोटर चालकों को असुविधा नहीं होगी।

10 जून से शुरू होगा फेज-2

मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीन ड्राइव से वर्ली तक तटीय सड़क का दूसरा चरण 10 जून तक यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इससे पहले दिन में शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर एमवीए सत्ता में होता, तो तटीय सड़क दिसंबर 2023 तक पूरी हो जाती और नागरिकों के लिए खोल दी जाती।

ठाकरे ने कसा तंज

ठाकरे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹हालांकि, भ्रष्ट शासन द्वारा हमारी सरकार को गिराने के बाद, उन्होंने काम धीमा कर दिया और लागत बढ़ाने पर काम किया।₹ उन्होंने आगे दावा किया कि चुनाव से पहले परियोजना का श्रेय लेने के लिए पहले चरण का उद्घाटन जल्दबाजी में किया गया था और कहा कि एमवीए सरकार बनने पर देरी की जांच करेगी। महत्वाकांक्षी तटीय सड़क परियोजना पर काम 13 अक्टूबर, 2018 को शुरू हुआ और इसकी अनुमानित लागत 12,721 करोड़ रुपये है।

2024-25 में Hyundai India पेश करेगी 4 नई SUV, एक इलेक्ट्रिक कार भी लिस्ट में शामिल

Hyundai की ओर से Alcazar Facelift Hyundai Tucson Facelift Hyundai Creta EV और Hyundai Venue Facelift को लॉन्च करने की तैयारी है। हुंडई ने पिछले साल के आखिर में Tucson Facelift को ग्लोबल मार्केट में पेश किया था। मिड-साइकिल अपडेट में नया फ्रंट ग्रिल और लाइटिंग सिस्टम नई स्किड प्लेट बिल्कुल नए अलॉय व्हील और नया डिजाइन किया गया रियर शामिल है।

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (HMIL) इस साल के बचे हुए हिस्से और 2025 तक चार नई SUV लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। उम्मीद है कि कंपनी की ओर से Hyundai Alcazar Facelift, Hyundai Tucson Facelift, Hyundai Creta EV और Hyundai Venue Facelift पेश की जाएगी। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Hyundai Alcazar Facelift

Hyundai Alcazar Facelift को इस कैलेंडर वर्ष के खत्म होने से पहले और त्योहारी सीजन के आसपास पेश किया जा सकता है। नई डिजाइन वाली अल्काजार में अपडेटेड क्रेटा के डिजाइन एलीमेंट होंगे, लेकिन इसमें अलग-अलग विशेषताएं होंगी जो इसे ज्यादा प्रीमियम बना सकती हैं।

Hyundai Tucson Facelift

हुंडई ने पिछले साल के आखिर में Tucson Facelift को ग्लोबल मार्केट में पेश किया था। मिड-साइकिल अपडेट में नया फ्रंट ग्रिल और लाइटिंग सिस्टम, नई स्किड प्लेट, बिल्कुल नए अलॉय व्हील और नया डिजाइन किया गया रियर शामिल है। इसे केबिन में नया पैनोरमिक कर्व्ड डिस्प्ले लगाने के लिए नया डिजाइन किया गया डैशबोर्ड दिया जाएगा। 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत में भारत में लॉन्च होने पर टुशों में इसी तरह के अपडेट की उम्मीद है।

Hyundai Creta EV

हुंडई इस साल के अंत में वैश्विक स्तर पर क्रेटा प्लैटफॉर्म से प्रेरित एक नई मिडसाइज इलेक्ट्रिक एसयूवी पेश करने की तैयारी में है, जिसे संभवतः 2025 की शुरुआत में भारत में लॉन्च किया जाएगा। एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक के ई-मोटर और एलजी केम से प्राप्त बैटरी पैक से लैस हो सकती है, जो एक बार चार्ज करने पर 450 किमी से अधिक की रेंज देने में सक्षम है।

Hyundai Venue Facelift

Hyundai Venue को भी जल्द ही जनरेशन अपडेट मिलने वाला है। इसके पावरट्रेन लाइनअप में किसी तरह के परिवर्तन की उम्मीद नहीं है। हालांकि, इसे कई महत्वपूर्ण फीचर अपडेट और डिजाइन परिवर्तन मिलने वाला है।

BYD की इस नई तकनीक से होगी तेल की बचत ही बचत, केवल इतने पेट्रोल में ही तय हो जाएगा 100 किलोमीटर का सफर

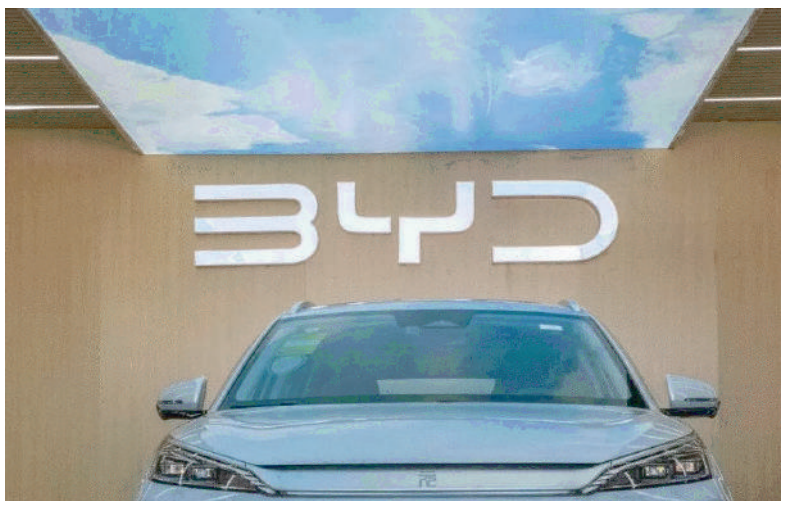

BYD ने मंगलवार को प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक की अपनी नवीनतम पीढ़ी को लॉन्च की है। ये तकनीक डिप्लीटेड बैटरी पर 2.9 लीटर प्रति 100 किमी (62.1 मील) की रिकॉर्ड लो फ्यूल कंजप्शन प्राप्त करती है। इसके अलावा पूरी तरह चार्ज बैटरी और पूरे गैसोलीन टैंक के साथ ये तकनीक 2000 किलोमीटर से अधिक की ड्राइविंग रेंज सुनिश्चित कर सकती है।

नई दिल्ली। चीन की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी BYD ने मंगलवार को प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक की अपनी नवीनतम पीढ़ी को लॉन्च किया है। कंपनी का कहना है कि ये तकनीक डिप्लीटेड बैटरी पर 2.9 लीटर प्रति 100 किमी (62.1 मील) की रिकॉर्ड लो फ्यूल कंजप्शन प्राप्त करती है।

सिंगल टैंक में मिलेगी 2,000 किलोमीटर की रेंज

BYD के अध्यक्ष वांग चुआनफू ने शानक्सी प्रांत की राजधानी जियान में एक कार्यक्रम में बोलते हुए इस तकनीक का अनावरण किया, जो 2003 में किनचुआन ऑटोमोबाइल कंपनी के अधिग्रहण के बाद कंपनी की पहली ऑटोमेकिंग फैक्ट्री का स्थल है। पूरी तरह चार्ज बैटरी और पूरे गैसोलीन टैंक के साथ ये तकनीक 2,000 किलोमीटर से अधिक की ड्राइविंग रेंज सुनिश्चित कर सकती है।

3.8 लीटर में मिलती थी 100 किमी की रेंज

BYD की प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक की पिछली पीढ़ी, जो बैटरी पर दर्जनों किलोमीटर की ड्राइविंग रेंज और पूरी तरह से गैसोलीन इंजन पर 100 किमी प्रति 3.8 लीटर की ईंधन खपत का दावा करती है। 79,800 युआन ($11,011) की कीमत वाली प्लग-इन हाइब्रिड कारों ने पिछले तीन सालों में BYD की बिक्री का बड़ा हिस्सा बनाया है, कंपनी ने कुल 3.6 मिलियन ऐसी कारें बेची हैं।

बेनेल्ली ने TRK 552X से उठाया पर्दा, TRK 502X की जगह लेगी ये एडवेंचर टूरर

परिवहन विशेष न्यूज

TRK 552X मौजूदा TRK 502X की तुलना में काफी आधुनिक दिखती है। इसमें मौजूदा मोटरसाइकिल की तुलना में एलईडी एलीमेंट्स के साथ एक नया हेडलैम्प डिजाइन दिया गया है। Benelli TRK 552X के लिए स्टील ट्रेलिस फ्रेम का इस्तेमाल कर रही है जिसे आगे की तरफ मार्जोची अप-साइड डाउन फोर्क्स और पीछे की तरफ मोनो शॉक द्वारा सस्पेंड किया गया है।

नई दिल्ली। Benelli ने TRK 552X को ग्लोबल मार्केट में पेश कर दिया है। नई एडवेंचर टूरर मोटरसाइकिल लाइनअप में TRK 502X की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। बेनेली नेअभी तक भारतीय बाजार में TRK 552X के लॉन्च के लिए समयसीमा की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, उम्मीद है कि यह इस साल के अंत ये भारतीय बाजार में लॉन्च हो जाएगी।

Benelli TRK 552X का डिजाइन

डिजाइन की बात करें, तो TRK 552X मौजूदा TRK 502X की तुलना में काफी आधुनिक दिखती है। इसमें मौजूदा मोटरसाइकिल की तुलना में एलईडी एलीमेंट्स के साथ एक नया हेडलैम्प डिजाइन दिया गया है, जो अभी भी हैलोजन का उपयोग कर रहा है।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

Benelli TRK 552X के लिए स्टील ट्रेलिस फ्रेम का इस्तेमाल कर रही है, जिसे आगे की तरफ मार्जोची अप-साइड डाउन फोर्क्स और पीछे की तरफ मोनो शॉक द्वारा सस्पेंड किया गया है। 19-इंच का फ्रंट व्हील और पीछे की तरफ 17-इंच का व्हील है, जो मेटजेलर टूरेंस टायर में लिपटे हुए हैं।

मोटरसाइकिल का वजन 246 किलोग्राम है और ब्रेकिंग ड्यूटी फ्रंट और रियर दोनों में डिस्क ब्रेक द्वारा की जाती है। इसमें डुअल-चैनल ABS भी दिया गया है। बेनेली द्वारा पेश किए जा रहे अन्य फीचर्स में 5 इंच की TFT स्क्रीन शामिल है, जो स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ आती है।

इंजन और परफॉरमेंस

TRK 552X में नया 552 cc, पैरेलल ट्विन इंजन लगा है, जो 60 bhp की अधिकतम पावर और 55 Nm का पीक टॉर्क आउटपुट देता है। नया इंजन न केवल बड़ा है, बल्कि 270-डिग्री क्रैंक का भी इस्तेमाल करता है, जो बेहतर लो-एंड और बेहतर एग्जॉस्ट नोट के साथ-साथ मदद करता है। ड्यूटी पर गियरबॉक्स एक 6-स्पीड यूनिट है।

New-Gen BMW R 1300 GS से उठा पर्दा, इंडियन मार्केट अगले महीने होगी लॉन्च

नई दिल्ली। BMW Motorrad India ने अगले महीने लॉन्च होने से पहले नई पीढ़ी की R 1300 GS एडवेंचर मोटरसाइकिल का टीजर जारी कर दिया है। BMW R 1300 GS ने पिछले साल अपनी वैश्विक शुरुआत की थी और ADV को R 1250 GS की तुलना में पूरी तरह से नया रूप दिया गया है, जिसमें व्यापक अपग्रेड किए गए हैं। नई R 1300 GS BMW की फ्लैगशिप एडवेंचर मोटरसाइकिल है।

डिजाइन और डायमेंशन

2024 BMW R 1300 GS में नए X-थीम वाले LED DRLs के साथ डिजाइन में बदलाव किया गया है, जिसमें बीच में प्रोजेक्टर लेंस हेडलैंप है। फ्यूल टैंक अब पहले से ज्यादा सपाट है और बाइक पहले से ज्यादा पतली दिखती है। यह नए शीट मेटल शेल मेन फ्रेम से आता है, जिसे बेहतर जगह और कठोरता के लिए अनुकूलित किया गया है। रियर सबफ्रेम डाई-कास्ट एल्यूमीनियम से बना है, जो बेहतरीन कंट्रोल और कठोरता प्रदान करता है। ADV ने अपने पूर्ववर्ती की तुलना में वजन भी कम किया है और R 1250 GS की तुलना में 12 किलोग्राम हल्का है।

चुनाव की पवित्रता और जहरीली वाणी

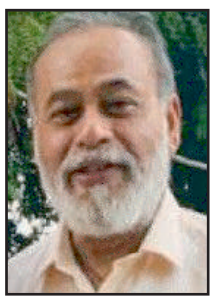

प्रो. सुरेश शर्मा
शिक्षाविद

लोकतंत्र तथा चुनाव में बहुत गहरा सम्बन्ध है। लोकतांत्रिक प्रणाली में चुनाव पंचवर्षीय पर्व है। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को निष्पक्ष एवं निर्भय होकर अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार देता है। इसी चुनाव से लोकतन्त्र मजबूत होता है। यही संविधान अपने नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान करता है।

वाणी, भाषा, आचरण तथा व्यवहार की दृष्टि से सभी दलों के सम्माननीय नेताओं तथा उम्मीदवारों को भी संयमित, संवेदनशील तथा गरिमापूर्ण होना चाहिए। तभी देश व समाज में सामाजिक सौहार्द बना रह सकेगा

लोकतंत्र तथा चुनाव में बहुत गहरा सम्बन्ध है। लोकतांत्रिक प्रणाली में चुनाव पंचवर्षीय पर्व है। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को निष्पक्ष एवं निर्भय होकर अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार देता है। इसी चुनाव से लोकतन्त्र मजबूत होता है। यही संविधान अपने नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान करता है। यदि किसी नागरिक के अधिकारों का हनन हो रहा हो तो उसे सीमाओं में रहते हुए मर्यादित भाषा, वाणी एवं आचरण से अपने विचार रखने की स्वतन्त्रता है। ऐसा माना जाता है कि राजनीति में साम, दाम, दण्ड, भेद सब कुछ चलता है, लेकिन नागरिकता तथा न्याय की परिधि में ही सब कुछ शोभित होता है। जनता का प्रतिनिधित्व तथा देश को नेतृत्व प्रदान करने वाले नेताओं से आशा की जा सकती है कि उनका आचरण तथा व्यवहार अच्छा हो। उनका चरित्र अनुकरणीय एवं उदाहरणीय हो। वे कर्मठ, ईमानदार, चरित्रवान एवं सत्यनिष्ठ हों। उनकी भाषा सभ्य तथा वाणी मधुर हो। किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना किसी भी व्यक्ति के लिए कोई अन्तिम उद्देश्य नहीं हो सकता। राजनीति साध्य है, साधन नहीं है। किसी भी राजनेता के लिए राजनीति अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने का साधन नहीं है, बल्कि यह गरीबों, दीन-दुखियों, पीड़ितों, वंचितों, शोषितों, उपेक्षितों तथा हाशिए पर रह रहे लोगों की सेवा का माध्यम है।

विचार किया जाए तो भारतीय लोकतंत्र में मतदाता का स्थान सर्वोच्च है। क्योंकि वह मत देने वाला 'दाता' है, जबकि नेता तो उसके वोट की उम्मीद कर जीतने की आशा रखता है। यहां पर मतदाता तथा उम्मीदवार को भी अपना स्थान पता होना चाहिए। नम्र और विनम्र होकर वोट मांगा जाता है, न कि दम्भ और घमंड में रौब दिखाने से समर्थन मिल सकता है। नेता को अनुकरणीय एवं उदाहरणीय होना चाहिए। जहां मतदाता अपने पसंदीदा उम्मीदवार से नम्र, विनम्र, सभ्य, सुशील, शिक्षित तथा व्यवहार कुशल होने की आशा रखता है, वहीं पर चुनावी मौसम में नेता कुछ भी बोलने तथा करने से परहेज नहीं करते। प्रतिद्वंद्वी लोग विपक्षी नेता की मानहानि, चरित्रहनन तथा उसके परिवार एवं पूर्वजों तक के चरित्र की भी चीरफाड़ कर देते हैं जो कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मशहूर शायर बशीर बद्र का एक शे'र ऐसे मौके पर बहुत सटीक और शिक्षाप्रद है- 'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी दोस्त बन जाएं तो शर्मिन्दा न हों।' यह भी सही है कि विभिन्न दलों के प्रत्याशी भी प्रतिष्ठित परिवारों से सम्बन्ध रखते हैं। पार्टियों द्वारा उम्मीदवारी के लिए चयन उनकी छवि एवं योग्यता के आधार पर ही होता है। सभी उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने भाषणों में मुद्दों तथा देश के विकास की बात करें, न कि अपनी वाणी से एक दूसरे पर व्यक्तिगत छींटाकशी करके आग के गोले दागें। यह देश के भविष्य, सभ्य समाज तथा आपसी सौहार्द, भाईचारे तथा सामाजिक सम्बन्धों की दृष्टि से अच्छा नहीं है।

चुनावी मौसम में नेताओं की वाणी परस्पर आग के गोले बरसाती रहती है और जनता राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों का आनन्द लेती रहती है। चुनावों के दौरान नेता किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने के लिए किसी भी घटिया तथा निम्न स्तर पर चले जाते हैं तथा भाषा, वाणी, मर्यादा, व्यवहार तथा आचरण सब कुछ भूल जाते हैं। यह भी विडम्बना है कि चुनाव जीतने के बाद यही लोग जीत के परिणाम से शुद्ध होकर जनता के लिए फिर से माननीय तथा सम्माननीय हो जाते हैं तथा आवश्यकता पडने पर राजनीतिक दूरियां मिटाकर एक दूसरे से हाथ मिला लेते हैं। जनता फिर से बिना किसी शर्त इन्हें पूर्व रूप में स्वीकार कर लेती है। धन्य है भारतीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था। प्रतिष्ठित नेताओं के लिए अपनी सुविधानुसार पार्टी बदलना एक आम बात हो गई है। कोई भी पार्टी एक विचारधारा होती है, उसके कुछ सिद्धांत होते हैं। पार्टी के कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी निश्चित सिद्धान्तों का पालन करते हैं। अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की आड़ में जनता के हित तथा अपने चुनाव क्षेत्र एवं लोगों की उपेक्षा का बहाना लेकर अपनी मां रूपी पार्टी बदल लेते हैं। समझ नहीं आता कि वर्षों तक पार्टी विशेष में आस्था रखने, सेवा करने, पदाधिकारी रहने तथा सत्ता सुख भोगने के बाद एकदम से निष्ठुर होकर नेता ऐसा फैसला लेते हैं और नेताओं के समर्थक अवाक होकर मुंह ताकते रह जाते हैं। यह कैसा नैतिक आचरण है? यह कैसा चरित्र है? यह सही है कि सभी अपने आचार, व्यवहार, संस्कार तथा आचरण के लिए स्वतन्त्र हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में एक आम मतदाता तथा निष्ठावान कार्यकर्ता तो ठगे का ठगा ही रह जाता है। चुनाव एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हम संवैधानिक मूल्यों, नियमों, सिद्धान्तों तथा प्रक्रियाओं में आस्था रखते हुए पांच वर्षों के उपरान्त चुनावी यज्ञ में प्राप्त अमृत से देश की सेवा करने के लिए राजा नहीं, बल्कि सेवक चुनते हैं। चुनाव कोई धींगामुश्ती का खेल नहीं है। यह समाज में कोई नफरत फैलाने का माध्यम नहीं है। जनता नेताओं की भाषा, वाणी, चरित्र तथा आचरण को बहुत बारीकी से जांचती है।

सामान्यतः सामाजिक तथा लोकाचार की व्यावहारिक दृष्टि से वाणी और भाषा ऐसी हो जिससे शीतलता मिले, व्यवहार ऐसा हो जिससे विनम्रता परिलक्षित हो तथा आचरण ऐसा हो जो सबके लिए उदाहरणीय हो। लेकिन चुनावी मौसम में नेताओं की वाणी नफरत के बोलों से आग उगल रही है, व्यवहार ऐसा जैसे कि घमंड और अहंकार की पराकाष्ठा हो तथा आचरण निकृष्ट हो रहा है। चुनाव लडना तथा जीतना जीवन का अन्तिम उद्देश्य नहीं है। चुनाव के बाद भी समाज, प्रदेश, देश तथा दुनिया रहेगी। चुनाव के बाद भी लोगों का आपसी सम्बन्ध, प्रेम तथा सौहार्द रहेगा। नेताओं को विपक्ष के नेताओं का सम्मान करते हुए राजनीतिक सम्बन्धों को निभाकर उदाहरण स्थापित करना चाहिए। नेताओं तथा राजनीतिक दलों को भी चाहिए कि लोकतन्त्रात्मक व्यवहार एवं सिद्धान्तों के अनुरूप विनम्रतापूर्वक जनता के जनादेश को जीत या हार के रूप में स्वीकार करें। वाणी, भाषा, आचरण तथा व्यवहार की दृष्टि से सभी दलों के सम्माननीय नेताओं तथा उम्मीदवारों को भी संयमित, संवेदनशील तथा गरिमापूर्ण होना चाहिए। तभी देश तथा समाज में सामाजिक सौहार्द, एकता और अखंडता की मौजूदगी रहेगी। प्रतिस्पर्धा में एक-दूसरे की आलोचना विनम्र भाव से भी की जा सकती है।

संपादक की कलम से

दो त्रासद हत्याकांड

गुजरात के राजकोट और राजधानी दिल्ली की दो खौफनाक त्रासदियों के पीछे लापरवाही, कानूनहीनता और पैसे के लालच की कई अनकही कहानियां हैं। राजकोट के गेम जोन, मनोरंजन केंद्र की आगजनी में 9 मासूम बच्चों और 28 वयस्कों की मौत हो गई। मौत के आंकड़े अभी गिने जा रहे हैं। दिल्ली के एक अवैध 'बेबी केयर सेंटर' में एक साथ कई ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से आग लगी और 7 नवजात शिशु जलकर भस्म हो गए। फिलहाल 5 नवजात उपचाराधीन हैं। शायद उनके भाग्य में अभी जिंदगी शेष थी, अलबत्ता आगजनी ऐसी थी कि कुछ भी भस्म होकर राख हो जाए। दोनों ही मामले त्रासदी से बढक़र हत्याकांड हैं, क्योंकि सुरक्षा-व्यवस्था में छिद्र थे। एक ही भवन में शिशु अस्पताल और ऑक्सीजन सिलेंडर की रीफिलिंग के धंधे चल रहे थे। कथित अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को खत्म हो चुका था। 'शिशु केयर केंद्र' को चार बिस्तरों की ही अनुमति थी, लेकिन वहां 14 बेड बिछाए गए थे। बिजली और आग के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं थे। जो बच्चे यह दुनिया नहीं देख पाए और जिंदगी भी जी नहीं सके, उनके लिए यह सामूहिक हत्याकांड नहीं है, तो और क्या है? एक सहज सवाल मन-मस्तिष्क में उबल रहा है कि क्या राजधानी दिल्ली में भी कोई 'जंगल-राज' हो सकता है! कानून को लागू कराने वाले कुछ चेहरे हैं या चारों ओर काला सन्नाटा ही है? राजकोट का अग्निकांड तो मानव-निर्मित था।

लोहे की चद्दर से एक अस्थायी ढांचा बनाया गया था, जिसमें बच्चे और अन्य लोग 'गेम' खेलने आते थे। न निकास की समुचित व्यवस्था, न आग बुझाने के उपकरण और कर्मचारी, बल्कि डीजल के भरे ड्रम और टायरों के ढेर वहां पड़े थे। पूरा ज्वलनशील माहौल! राजकोट के उस परिसर में करीब 2000 लीटर पेट्रोल का भंडारण था। वह मनोरंजन स्थल था अथवा पेट्रोलियम की कोई दुकान! कमाल तो यह है कि गुजरात के शहरी विकास संबंधी कायदे-कानून ऐसी टिन संरचनाओं में ही 'गेम जोन' चलाने की अनुमति देते हैं। देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के राज्य गुजरात में ऐसी घटिया और खतरनाक व्यवस्थाएं हैं, जो उनके विकास-दावों का मुंह चिढ़ाती हैं। गुजरात के 2017 के शहरी विकास कानून में मनोरंजन सुविधाओं के लिए निर्माण और सुरक्षा की 'शून्य' गाइडलाइन हैं। निजी कारोबारियों ने इन स्थितियों को भुनाया है और अस्थायी संरचनाएं खड़ी कर मनोरंजन के धंधे चला रहे हैं। ऐसे न जाने कितने 'लाक्षागृह' गुजरात में होंगे? दिल्ली का खौफनाक, दर्दनाक, मासूम चीख-पुकार वाला हत्याकांड भी सामने आया है। आंकड़े गवाह हैं कि राजधानी में आग से मरने वालों की संख्या 2021-22 में 591 थी, जो बढक़र 2022-23 में 1029 हो गई है। यानी बढ़ोतरी दोगुनी हुई है।

हर रोज आगजनी से संबंधित औसतन 78 कॉल आती हैं। एक दिन के बाद आग की घटनाओं में औसतन 2 मौत होती हैं। कुछ सर्वेक्षणों में यह निष्कर्ष सामने आया है कि देश भर के 10 में से 8 लोगों के घरों और दफ्तरों में आग से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। करीब 18 फीसदी लोग ही सुरक्षित घरों में रह रहे हैं। करीब 19 फीसदी को पता ही नहीं है कि आग बुझाने का सिस्टम काम करता है अथवा नहीं। करीब 27 फीसदी लोगों ने कबूल किया है कि उन्होंने सुरक्षा मानदंडों का कभी पालन ही नहीं किया। सिर्फ आगजनी ही नहीं, किसी और वजह से भी ऐसे कांड हुए हैं कि जिनमें लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई। गुजरात में ही मोरबी पुल टूटा और 135 मासूम लोग मारे गए। कोल्लम मंदिर में आगजनी से ही 109 मौतें हो गईं। 2018 में वाराणसी फ्लाईओवर ध्वस्त हुआ, जिसमें 18 लोग मरे और राजधानी दिल्ली के मुंडका इलाके की वह आगजनी आज भी आंखों के सामने कौंध जाती है, जिसमें जलकर 27 लोग मारे गए थे। सभी मामलों में प्रशासनिक लापरवाही ही सामने आई।

राय

हिमाचल के सियासी गुनाह-3

बेशक हिमाचल के मुख्यमंत्रियों को अपार शक्तियां मिलीं और यहां के खजाने पर उन्हीं का एकाधिकार भी छाया रहा, लेकिन अब यह दौलत राज्य की फकीरी को खरीद रही है। एक सौदे के तहत सत्ता के बीच चंद महफिलें और क्षेत्रवाद की आदत को सिंहासन मिल रहा है। एक ही राज्य में राजनीति के अलग-अलग मानदंड और अगर किसी अपने ही नेता को पछाडऩा है, तो वन संरक्षण अधिनियम के चाबुक के प्रहार से राज्य अनेकों बार बंट जाता है। केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर में सियासी गुनाह ढूंढेंगे, तो लगातार कई मुख्यमंत्री, कई सांसद और कई मंत्री इस हमाम में नंगे पाए जाएंगे। प्रेम कुमार धूमल की सत्ता से सुखविंदर सुक्खू की सरकार तक राजनीति का सबसे बड़ा गुनाह एक शिक्षण संस्थान की गरिमा से खेल चुका है। पाठक अगर गौर से देखेंगे तो हर सरकार के वक्त में अगर चुनावी बेला पर नए संस्थान खोलने का गुनाह हुआ, तो सरकारों ने डिनोटिफाई करके या दफ्तरों को स्थानांतरित करके भी जनता से अन्याय किया है। सियासत ने सत्ता के नशे में इमारतों को भले ही खड़ा कर दिया, लेकिन इनकी उपयोगिता का हारना, हर गांव-कस्बे से शहर तक बड़ा गुनाह साबित हुआ है। आश्चर्य यह कि हमीरपुर जिला के एक मार्ग पर पर्यटन सूचना केंद्र खोल कर जो सियासत ने गुनाह किया, उसे आज खंडहर में देखा जा सकता है। पर्यटन के नाम पर कभी कैफे खुले और राजनीतिक संपर्क में बिक भी गए। धर्मशाला व कुल्लू-मनाली के सैकड़ों होटलों के बीच कहीं राजनीति ने सरकारी संपत्तियों की बोली लगाई है, तो पर्यटन में सियासी गुनाह स्पष्ट हैं।

भागसू नाग में पर्यटन निगम की बेहतरीन संपत्ति 'जलधारा कैफे' किस तरह बिक कर एक मॉल में तबदील हो गया, यह सरकार की फाइलों में धूल झोंकने का फार्मूला ही साबित हो रहा है। तमाम घाटे के बोर्ड व निगम अगर सियासी गुनाह नहीं, तो फिर सरकारें इनकी गवर्निंग बाडीज में किस विशेषता या दक्षता से राजनीतिक नेताओं को सदस्य बना कर, पारिश्रमिक देती आ रही हैं। हिमाचल की दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के बीच गुनाह की छतरी पहने विकास, सदी से भद्दा मजाक ही तो है। इसी तरह मंदिरों का राष्ट्रीयकरण भले ही एक सुखद पहल थी, लेकिन आय-व्यय का लेखा-जोखा गुनहगार साबित हो रहा है। दियोटसिद्ध मंदिर की आय की खपत में कौन कर्मचारी बन गए, इसका ताना बाना खोलेंगे तो हर पार्टी के विधायक ने अपनों की पेशगी में मंदिर आय का सत्यानाश कर दिया। अगर सियासत मंदिर परिसर से हट जाए, तो प्रदेश में आस्था से उपजी आर्थिकी का आंकड़ा कुछ सालों में दक्षिण भारत की तर्ज पर पांच हजार करोड़ तक पहुंचाया जा सकता है। हिमाचल में कमोबेश हर परिवहन मंत्री ने राजनीतिक गुनाह करते हुए अपने-अपने कार्यकाल में अनावश्यक रूप से डिपो खोलकर इस संस्था की काबिलीयत की हत्या की है। केवल बतौर परिवहन मंत्री किशन कपूर ने न तो नया बस डिपो खोला और न ही कलपुर्जों की खरीद में पीछे चल रही पद्धति को स्वीकार किया। इसी तरह हर विभाग के तमाम पूर्व मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड देखेंगे, तो मालूम होगा कि शिक्षा मंत्री केवल ट्रांसफर मंत्री बनकर कई ईमानदार शिक्षकों के प्रति गुनाह करते रहे हैं। हिमाचल के कई बड़े संस्थान या सरकारी निवेश का गलत इस्तेमाल करके राजनीतिक गुनाह साबित हुए हैं। क्या किसी पर्यटक स्थल के बजाय हमीरपुर में भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान की पैरवी ईमानदार थी या गैर कृषि क्षेत्र पालमपुर में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना औचित्यपूर्ण थी। आखिर कितने विश्वविद्यालय खोल कर सरकारें बताएंगी कि उन्होंने कोई राजनीतिक गुनाह नहीं किया। हैरानी यह कि जो संस्थाएं या संस्थान खुलने चाहिए थे, उनके लिए कोशिश ही नहीं हुई।

भारत में हिंदू-मुस्लिम आबादी का सच

अगर हम केरल, कश्मीर और कर्नाटक में मुस्लिम महिलाओं के टीएफआर की तुलना बिहार, राजस्थान और मध्यप्रदेश की हिंदू महिलाओं के टीएफआर से करें तो साफ हो जाएगा कि हिंदुओं का टीएफआर मुसलमानों से अधिक है। शाश्वता घोष द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार जनगणना 2011 एवं जनगणना 2001 में हिंदुओं और मुसलमानों के राज्य स्तर पर टीएफआर में अंतर से यह स्पष्ट हो जाता है कि हिंदुओं और मुसलमानों की प्रजनन दरें एक-दूसरे के नजदीक आ रही हैं। हां, इसमें क्षेत्रीय विभिन्नताएं हैं, क्योंकि विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के धार्मिक समुदाय सोच में बदलाव के अलग-अलग स्तरों पर हैं। पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की एक पुस्तक मुस्लिम आबादी को लेकर सच का खुलासा करती है'

चुनावी मौसम जैसे-जैसे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे समाज को बांटने वाला प्रचार भी अपने चरम पर पहुंच रहा है। भाजपा के मुख्य प्रचारक स्वयं प्रधानमंत्री मोदी हैं जिनका पूरा नैरेटिव इस झूठ के आसपास बुना गया है कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह सारी सुविधाएं और लाभ केवल मुसलमानों को देगा। हर चीज पर मुसलमानों का पहला हक होगा और संविधान में इस तरह के बदलाव किए जाएंगे जिससे हिंदू इस देश के दूसरे दर्जे के नागरिक बन जाएंगे। हिंदुओं में यह डर पैदा किया जा रहा है कि देश में मुसलमान सारे विशेषाधिकार हासिल कर लेंगे। हाल में प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद ने इसी प्रचार अभियान के अंतर्गत एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें बताया गया है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी में करीब 8 प्रतिशत की कमी आई, वहीं मुसलमानों की आबादी में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 1950 में हिंदू कुल आबादी का 84 प्रतिशत थे, जो 2015 में घटकर 78 प्रतिशत रह गए। इसी अवधि में, मुसलमानों, ईसाइयों, बौद्धों और सिक्खों की आबादी में बढ़ोत्तरी हुई, जबकि जैनियों और पारसियों का प्रतिशत घटा। प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद क्या है? इसका गठन 2017 में हुआ था और इसका काम है आर्थिक मसलों पर शोध कर प्रधानमंत्री को सलाह देना। इसके शोध का एक नमूना कुछ साल पहले सामने आया था जब उसके मुखिया बिबेक डेबरॉय ने परिषद के एक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया था कि लिखित संविधानों की औसत उम्र केवल 17 साल होती है। उन्होंने भारत के वर्तमान संविधान को औपनिवेशिक विरासत बताते हुए कहा था कि भारत का वर्तमान संविधान मुख्यतः गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है और इस अर्थ में वह भी एक औपनिवेशिक विरासत है।

आम चुनाव के दौरान मुसलमानों के खिलाफ दुष्प्रचार को बढ़ावा देने वाला यह विचित्र अध्ययन जारी किया गया है। जिन तीन शोधकर्ताओं ने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, उन्होंने आंकड़ों के विश्लेषण के सभी मानकों का उल्लंघन किया है। पहली बात तो यह कि जनसांख्यिकीय अध्ययन जनगणना पर आधारित होते हैं, मगर यह अध्ययन एक संस्था एसोसिएशन ऑफ रिलीजियस डाटा आर्काइव (एआरडीए) द्वारा 23 लाख लोगों के सर्वेक्षण पर आधारित है। तेईस लाख हमारी कुल आबादी का बहुत छोटा सा हिस्सा है। जनगणना के आंकड़े अधिक विश्वसनीय और समग्र होते हैं और आबादी में वृद्धि के विभिन्न पहलुओं को सामने लाते हैं। यह तो सत्ताधारी दल को ही पता है कि वर्ष 2021 की दस साला जनगणना क्यों नहीं की गई। इन शोधकर्ताओं ने एक अनजान संस्था के सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग किया है, कहीं अधिक विश्वसनीय जनगणना के आंकड़ों का नहीं। यह अध्ययन 1950 के आंकड़ों की तुलना 2015 के आंकड़ों से करता है, जो अपने आप में मनमाना है। मीडिया और सांप्रदायिक संगठन इस अध्ययन का इस्तेमाल समाज को बांटने वाले प्रचार को और मजबूती देने के लिए कर रहे हैं। यह अध्ययन इस अफवाह को बढ़ावा देता है कि मुसलमान ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। इस दुष्प्रचार को हवा देने में हमारे प्रधानमन्त्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने दंगा पीड़ित मुसलमानों के शरणार्थी शिविरों को बच्चे पैदा करने वाले कारखाने बताया था। उन्होंने इन शिविरों को बंद कर दिया था। अब वे कह रहे हैं कि कांग्रेस हिन्दुओं से मंगलसूत्र और भैंसें छीनकर उन लोगों को दे देगी जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। सच क्या है? कौनसा समुदाय कितने बच्चे पैदा करता है, इसे मापने का सबसे अच्छा तरीका है 'टोटल फर्टिलिटी रेट' (टीएफआर), जिसे हिंदी में कुल प्रजनन दर कहते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार लगभग सभी समुदायों में टीएफआर घट रही है। वर्ष 1992-93 में यह हिन्दुओं के मामले में 3.3 और मुसलमानों के मामले में 4.41 थी। 2019-2021 में यह हिन्दुओं के मामले में 1.94 और मुसलमानों के मामले में 2.36 हुई। इस प्रकार इस अवधि में हिन्दुओं की टीएफआर में 41.22 प्रतिशत की कमी आई और मुसलमानों की टीएफआर में 46.49 प्रतिशत की। साफ तौर पर हिन्दुओं की तुलना में मुसलमानों की टीएफआर में अधिक गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि अगर मुसलमानों की टीएफआर में गिरावट जारी रही तो वह जल्दी ही हिन्दुओं की टीएफआर के करीब हो जाएगी। एक मुद्दा यह भी है कि क्या प्रजनन दर का संबंध धर्म से है या अन्य कारक उसे प्रभावित करते हैं? सांप्रदायिक राष्ट्रवादी दिन-रात यह कहते रहते हैं कि मुसलमान जानबूझकर अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं, ताकि वे भारत में बहुसंख्यक बन जाएं और देश को गजवा-ए-हिंद घोषित कर सकें। यह एक बहुत बड़ा झूठ है कि हिन्दू देश में अल्पसंख्यक बन जाएंगे। पहली बात तो यह है कि किसी परिवार में कितने बच्चे होंगे, यह मुख्यतः दो कारकों से निर्धारित होता है। पहला, परिवार की गरीबी का स्तर और दूसरा, संबंधित समुदाय, विशेषकर उसकी महिलाओं की शिक्षा का स्तर।

अगर हम केरल, कश्मीर और कर्नाटक में मुस्लिम महिलाओं के टीएफआर की तुलना बिहार, राजस्थान और मध्यप्रदेश की हिन्दू महिलाओं के टीएफआर से करें तो साफ हो जाएगा कि हिन्दुओं का टीएफआर मुसलमानों से अधिक है। शाश्वता घोष द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार जनगणना 2011 एवं जनगणना 2001 में हिंदुओं और मुसलमानों के राज्य स्तर पर टीएफआर में अंतर से यह स्पष्ट हो जाता है कि हिन्दुओं और मुसलमानों की प्रजनन दरें एक-दूसरे के नजदीक आ रही हैं।हां, इसमें क्षेत्रीय विभिन्नताएं हैं, क्योंकि विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के धार्मिक समुदाय सोच में बदलाव के अलग-अलग स्तरों पर हैं। पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की पुस्तक 'द पापुलेशन मिथ : इस्लाम, फैमिली प्लानिंग एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया' भी इस मसले पर प्रकाश डालती है। इसके अनुसार भारत के 29 में से 24 राज्यों में टीएफआर 2.179 के नजदीक आ रही है। अगर यह 2.1 पर आ जाए तो आबादी स्थिर हो जाएगी। इन विश्वसनीय अध्ययनों के बाद भी, सांप्रदायिक तत्व वही राग अलाप रहे हैं। मुसलमानों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत से मिला था। इसमें एसवाई कुरैशी भी शामिल थे। मुलाकात के दौरान कुरैशी ने अपनी उस किताब की एक प्रति भागवत को भेंट की, जो संघ परिवार द्वारा किए जा रहे प्रचार की पोल खोलती है, मगर इसके बावजूद कुछ सप्ताह बाद, भागवत ने एक बयान जारी कर विभिन्न समुदायों की आबादी में संतुलन कायम करने की जरूरत पर जोर दिया।

पीए सिद्धार्थ

गॉड कॉम्पलेक्स'

जैसे-जैसे व्यक्ति संसार की अधम गहराइयों में नीचे उतरता जाता है, उसके हृदय में बैठा हिरण्यकश्यप किसी बंदर की भांति उछल-कूद मचाता हुआ और गहरे रसातल में उतरने के लिए लालायित हो उठता है। अंग्रेजी में इसे गॉड कॉम्पलेक्स कहते हैं। पर मुझे लगता है कि हिंदी में इसका सही अनुवाद हिरण्यकश्यप मनोविकार हो सकता है। इस विकार से पीड़ित व्यक्ति को महसूस होने लगता है कि उसे संसार में विशेष प्रयोजन से भेजा गया है। चाहे वह स्वयं लॉजिकल हो या न हो, पर उसे लगता है कि वह अपनी मां के गर्भ से या बायोलॉजिकली पैदा नहीं हुआ है, बल्कि अवतरित हुआ है। उसमें अपार व्यक्तिगत क्षमता से सम्पन्न अवतारी पुरुष होने की भावना उत्तरोत्तर बलवती होती जाती है। उसे लगता है कि उसे तमाम तरह के विशेषाधिकार प्राप्त हैं। वह हर कार्य करने में निष्णात है। इसे सिद्ध करने के लिए वह न केवल अगड़म-बगड़म बोलने लगता है, बल्कि हाथ में सत्ता या ताकत होने पर उसका जम कर दुरुपयोग भी करता है। ऐसा व्यक्ति अपने विचारों में बेहद हठधर्मी हो जाता है। वह अपनी निजी राय या विचारों को इस तरह प्रकट करता है मानो वे निर्विवाद रूप से सही हों। कभी वह अपने आपको ईश्वर बताने लगता है तो कभी अपनी नस्ल को दुनिया की सर्वोत्तम नस्ल बताते हुए लाखों लोगों को मौत के घाट उतार देता है।

कभी अपनी संस्कृति को दुनिया की सर्वोत्कृष्ट संस्कृति बताते हुए लोगों में राष्ट्रोन्माद पैदा करता है। कभी वह नाले की गैस से चाय बनाता है, तो कभी कहने लगता है कि उसने हिमालय पर जो तपस्या की थी, उसी के परिणामस्वरूप आज दुनिया में उसका डंका बज रहा है। इतना ही नहीं, वह किसी वैश्विक सम्मेलन में कांधे पर गांडीव बांधे, हाथ में धनुष लेकर घोषणा कर सकता है कि त्रेता युग में अयोध्या के जिस राजकुमार राम ने वनवास झेला था, वह घोर कलियुग में उसी राम के अवतार में संसार का उद्धार करने के लिए धरा पर उतरा है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की अपार सफलताओं के बावजूद फिलवक्त यह मनोविकार लाइलाज है। इसका एक कारण, इस रोग से पीड़ित व्यक्तियों पर शोध की कोई संभावना न होना भी सकता है। अब पुतिन या किम जोंग से कौन कहेगा कि प्रभु आपके खोपड़े में जो भयंकर केमिकल लोचा है, उसका न केवल इलाज करना आवश्यक है, बल्कि इलाज ढूंढने से पहले उस पर शोध करना भी जरूरी है। इसलिए इसे अब तक मानसिक विकारों के निदान मैनुअल में शामिल नहीं किया जा सका है। इस विकार का वैज्ञानिक नाम नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर (एनपीडी) है। यह उन्माद या श्रेष्ठता की भावना से जुड़ा भी हो सकता है। राजनीति के अलावा धर्म के क्षेत्र में यह मनोविकार सिर चढ़ कर बोलता है। भगवान रजनीश, कृपालु महराज, बाबा रामदेव, राम रहीम, आसाराम, बागेश्वर महाराज जैसे कई नाम चिंतन के लिए उपलब्ध हैं। कला, साहित्य, खेल-कूद जैसे अन्य क्षेत्र भी इस मनोविकार से अछूते नहीं। व्यक्ति के ऊंचा उठने की अधिकतम सीमा निर्धारित है, लेकिन हिरण्यकश्यप मनोविकार से पीड़ित व्यक्ति के गिरने की कोई सीमा नहीं।

ऊंचा उठने पर व्यक्ति को अधिकतम बुद्ध की संज्ञा दी जा सकती है। उसे महा या परम बुद्ध की उपाधियों से विभूषित नहीं किया जा सकता। यहां तक कि भौतिक दुनिया में भी सफलताएं अर्जित करने की अधिकतम सीमा निर्धारित है। शिखर पर बने रहने के लिए उसे और कठिन परिश्रम करना पड़ता है। इसके बावजूद समय के साथ उसे तल पर आना ही पड़ता है। पर जो मजा नीचे गिरने में है, वह छज्जू के चौबारे पर भी नहीं मिलता। नीचे गिरने के लिए व्यक्ति को मेहनत भी नहीं करनी पड़ती और न गिरने की कोई सीमा निश्चित है। यह व्यक्ति की इच्छा और ढिठाई पर निर्भर करता है कि वह सहज भाव से कहां तक गिरना चाहता है। उसकी इच्छा और ढिठाई के सामने पाताल लोक भी तुच्छ नजर आता है। पापी, असुर, दानव, दैत्य, राक्षस आदि के अलावा उसे महापापी, महासुर, महादानव, महादैत्य, महाराक्षस जैसे खिताबों से नवाजा जा सकता है या सुविधानुसार परम भी जोड़ा जा सकता है।

भारतीयों को मिलता रहेगा 'सस्ता तेल', मुकेश अंबानी की रिलायंस ने रूसी कंपनी से की डील

परिवहन विशेष न्यूज

क्रूड ऑयल के उत्पादक देशों का समूह ओपेक+ (OPEC+) जून 2024 से आगे भी तेल सप्लाई में कटौती जारी रखेगा। इससे दुनियाभर में तेल के दाम बढ़ने की आशंका रहेगी। लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज की Rosneft के साथ टर्म डील के चलते भारत में जनता को रियायती दर पर तेल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) ने रूस की तेल कंपनी रोसनेफ्ट (Rosneft) के साथ महत्वपूर्ण डील की है। रिलायंस इस करार के तहत मौजूदा वित्त वर्ष यानी 2024-25 में कम से 30 लाख बैरल रूसी तेल का आयात करेगी। सबसे अहम बात की इसमें भुगतान रूसी करेंसी रूबल (roubles) में किया जाएगा। यह खबर समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने 4 सूत्रों के हवाले से दी है।

रॉयटर्स के मुताबिक, रिलायंस भारत के HDFC Bank और रूस के Gazprombank के जरिए रूसी रूबल से तेल का पेमेंट करने पर सहमत है। हालांकि, पेमेंट सिस्टम के बारे में अभी ज्यादा डिटेल सामने नहीं आई है।

आम लोगों को मिलेगी राहत?

क्रूड ऑयल के उत्पादक देशों का समूह ओपेक+ (OPEC+) जून 2024 से आगे भी तेल सप्लाई में कटौती जारी रखेगा। इससे दुनियाभर में तेल के दाम बढ़ने की आशंका रहेगी। लेकिन, रिलायंस इंडस्ट्रीज की Rosneft के साथ टर्म डील के चलते भारत में जनता को रियायती दर पर तेल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (OPEC) और रूस सहित अन्य सहयोगियों वाले देशों को मिलाकर OPEC+ ग्रुप बना है। यह 2 जून 2024 को एक ऑनलाइन मीटिंग में तेल उत्पादन में कटौती का फैसला लेगा।

भारत तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक

भारत का कच्चे तेल का आयात और उपभोग करने के मामले में दुनियाभर में तीसरे नंबर पर है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के रूस पर कई कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाएं। कई पश्चिमी देशों ने रूस से व्यापार, खासकर तेल और अन्य ऊर्जा संसाधनों की खरीद कम कर दी।

वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी ग्रोथ कम रहने का अनुमान, क्रिसिल का दावा- बैंक लोन में भी आएगी कमी

परिवहन विशेष न्यूज

घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंकिंग सिस्टम में लोन वृद्धि 2 प्रतिशत अंक घटकर 14 प्रतिशत रह जाएगी। हालांकि वित्त वर्ष 2024 में यह दर 7.6 फीसदी थी। इसके लिए आरबीआई ने कुछ उपाय किए हैं। इस वर्ष जीडीपी ग्रोथ पिछले वर्ष की तुलना में कम रह सकती है जिसका असर बैंक डिपॉजिट पर भी दिखेगा और उसकी गति धीमी रह सकती है।

नई दिल्ली। कई रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बात GDP ग्रोथ में कमी आने के आसार है। ऐसे में खबर आ रही हैं कि बैंक लोन में भी कमी आ सकती है। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंकिंग सिस्टम में लोन वृद्धि 2 प्रतिशत अंक घटकर 14 प्रतिशत रह जाएगी।

एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में जीडीपी की वृद्धि दर 6.8 फीसदी कम होने के कारण मंदी आएगी, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह दर 7.6 फीसदी थी। इसके लिए आरबीआई ने अन-सिक्योर्ड लोन पर उच्च जोखिम भार और हाई बेस जैसे उपाय किए हैं।

जीडीपी ग्रोथ में हो सकती है कमी

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस वर्ष जीडीपी ग्रोथ पिछले वर्ष की तुलना में कम रह सकती है, जिसका असर बैंक डिपॉजिट पर भी दिख सकता है और उसकी गति धीमी रह सकती है। इस वजह से बैंक क्रेडिट ग्रोथ की गति में भी कम रह सकती है। इसके साथ ही एजेंसी ने स्वीकार किया कि पिछले वर्ष के दौरान डिपॉजिट और क्रेडिट के बीच का अंतर कम हो गया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अगर एचडीएफसी विलय के प्रभाव को छोड़ दें तो वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंक लोन में 16 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसके लिए मजबूत आर्थिक गतिविधि और हाई रिटेल डिमांड को जिम्मेदार ठहराया।

एजेंसी ने कहा कि यह राजकोषीय वृद्धि(Fiscal Growth) हाई बेस ग्रोथ, जोखिम भार में संशोधन और कुछ हद तक कम जीडीपी वृद्धि से नियंत्रित होगी।

कॉरपोरेट सेक्टर में 13 प्रतिशत रहने का अनुमान

इसमें कहा गया है कि कॉरपोरेट खंड वित्त वर्ष 2025 में 13 प्रतिशत की वृद्धि बनाए रखने का अनुमान है, जो कुल ऋण का 45 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं वित्त वर्ष 24 में रिटेल ग्रोथ 17 प्रतिशत से घटकर 16 प्रतिशत हो जाएगा।

रिटेल बैंकों के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बना रहेगा, लेकिन अनसिक्योर्ड कंज्यूमर लोन (रिटेल लोन का 25 प्रतिशत) में अपेक्षाकृत कम बढ़ोतरी दिख सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बैंक RBI के 25 प्रतिशत अंक जोखिम भार की नियामक शर्त के बाद खुद को समायोजित कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि असुरक्षित उपभोक्ता ऋण पर अपेक्षाकृत अधिक लाभ होने से खुदरा विकास में गिरावट सीमित रहेगी। कॉर्पोरेट मोर्चे पर स्टील, सीमेंट और फार्मास्यूटिकल्स कैपेक्स रिकवरी का नेतृत्व करेंगे।

इसके साथ ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) खंड में वृद्धि (कुल ऋण का 16 प्रतिशत) वित्त वर्ष 24 में 19 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसके साथ ही एग्रीकल्चर क्रेडिट मानसून के रुझान से जुड़ी रहेगी, लेकिन मजबूत वित्तीय वर्ष 2024 के कारण इसमें नरमी देखी जानी चाहिए।

इनसाइड

चौथी तिमाही में 7.4 रहेगी विकास दर, पूरे वित्त वर्ष के लिए यह है SBI का अनुमान

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से यात्री वाहन बिक्री हवाई यात्रियों की संख्या जीएसटी संग्रह क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन पेट्रोलियम खपत टोल संग्रह जैसी विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। डीजल खपत के साथ दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है।

नई दिल्ली। गत वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में विभिन्न आर्थिक सूचकांक को देखते हुए एसबीआई ने इस अवधि में विकास दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इस बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 23-24 की विकास दर आठ प्रतिशत के स्तर को छू सकती है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 में विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

आरबीआई ने इस साल जनवरी-मार्च की विकास दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आगामी 31 मई को सरकार की तरफ से गत वित्त वर्ष के जीडीपी का आंकड़ा जारी किया जाएगा। गत वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी विकास दर 8.4 प्रतिशत तो दूसरी व पहली तिमाही में क्रमशः 8.1 व 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई।

इकॉनमी पर तगड़ी चोट कर रही गर्मी, क्या टूट जाएगा भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना?

परिवहन विशेष न्यूज

IMF ने पिछले दिनों भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाते हुए कहा था कि भारत की घरेलू खपत काफी दमदार है और देश में कामकाजी आबादी भी बहुत अधिक है। इन दोनों फैक्टर से भारत को अपनी जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने में मदद मिलेगी। लेकिन समस्या यह है कि गर्मी के प्रकोप से इन दोनों पर बुरा असर पड़ेगा। इससे भारत की जीडीपी को बड़ा झटका लगने की आशंका है।

नई दिल्ली। गर्मी हर साल अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ रही है। इससे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं तो बढ़ ही रही हैं, साथ ही दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं (Economy) पर भी बुरा असर पड़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं। भारत के लिए चिंता की बात यह भी है कि इसकी तरक्की की रफ्तार सबसे अधिक है। यह फिलहाल दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इसने तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने का लक्ष्य रखा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का भी अनुमान है कि भारत 2027 तक टॉप 3 में शुमार हो सकता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर

IMF ने पिछले दिनों भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाते हुए कहा था कि भारत की घरेलू खपत काफी दमदार है और देश में कामकाजी आबादी भी बहुत अधिक है। इन दोनों फैक्टर से भारत को अपनी जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने में मदद मिलेगी। लेकिन, समस्या यह है कि गर्मी के प्रकोप से इन दोनों पर बुरा असर पड़ेगा।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज में चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटिजिस्ट वीके विजयकुमार का कहना है, 'इस बार की गर्मियों में हीटवेव की संख्या काफी अधिक है। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगी, खासकर खेती को। इसका मतलब कि किसानों और खेतिहर मजदूरों की कमाई कम होगी। ऐसे में खपत (Consumption) घटने की आशंका रहेगी।'

महंगाई बढ़ने का खतरा

गर्मी से कृषि उपज घटने और महंगाई बढ़ने का खतरा भी रहेगा। केरल पहली बार आधिकारिक तौर पर हीटवेव से जूझ रहा है। कृषि विभाग के मुताबिक, वहां 46,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 250 करोड़ रुपये की फसल के नुकसान का अनुमान है। गर्मियों में अमूमन सब्जियों की खेती पर बुरा असर पड़ता है, क्योंकि मिट्टी की नमी कम हो जाती है।

उत्पादन कम होने से सब्जियों की सप्लाई प्रभावित होती है और उनके दाम में उछाल आता है। इससे जनता पर महंगाई का बोझ भी बढ़ने का डर रहता है। अगर महंगाई ज्यादा बढ़ जाती है, तो रिजर्व बैंक (RBI) ब्याज दरों में कटौती करने को लेकर फैसले नहीं ले पाएगा, जैसा कि अभी हो रहा है। इससे होम लोन या कार लोन लेने वालों को सस्ती ईएमआई का लाभ नहीं मिल पाएगा।

कामकाजी घंटे भी कम होंगे

भारत में आबादी का एक बड़ा हिस्सा बाहर काम करता है यानी खुले में। जैसे कि खेती या फिर रोड-बिल्डिंग के कंस्ट्रक्शन से जुड़े लोग। गर्मी के कारण इनके कामकाजी घंटों में कमी आने का अनुमान है, हीटवेव या अत्याधिक गर्मी की स्थिति में इनके लिए दोपहर के वक्त काम करना मुमकिन नहीं होगा।

अमेरिकी मैनेजमेंट कंसल्टेंट फर्म मैकिंजी एंड कंपनी की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में करीब 75 फीसदी श्रमिक (Labour Force) यानी 38 करोड़ लोग गर्मी में काम करते हैं। गर्मी बढ़ने से जो कामकाजी घंटे कम होंगे, उससे 2030 तक ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GDP) का सालाना 2.5 से 4.5 फीसदी का नुकसान होगा।

शेयर बाजार पर असर

शेयर बाजार की बात करें, तो भीषण गर्मी के कुछ फायदे भी हैं। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के वीके विजयकुमार का कहना है, 'अत्याधिक गर्मी से एसी की डिमांड बढ़ेगी, इससे एसी बनाने वाली कंपनियों को फायदा होगा। वहीं, पावर की डिमांड बढ़ने का लाभ पावर कंपनियों को मिल सकता है।' गर्मियों के दौरान सोडा, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों की खपत में आम तौर पर तेजी आती है। ऐसे में इनके शेयर भी उछल सकते हैं।

क्या वाकई नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया जाएगा? रेलवे ने कही यह बात..

परिवहन विशेष न्यूज

रेल मंत्रालय ने साल 2023 में अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS) लॉन्च की थी और अब तक कुल 7000 स्टेशनों में से 1321 को इसके तहत पुनर्विकास के लिए चुना गया है। ये सभी स्टेशन अलग-अलग रेलवे जोन में हैं और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में उनमें से एक है। इनमें से कई स्टेशन विकास के विभिन्न चरणों में हैं लेकिन कुछ स्टेशनों पर अभी काम शुरू होना बाकी है।

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से नई दिल्ली रेवले स्टेशन को पूरी तरह बंद किए जाने की खबरें मुख्य मीडिया और सोशल मीडिया में चल रही हैं। कहा जा रहा है कि नवीनीकरण के लिए स्टेशन को पूरी तरह बंद किया जा रहा है और यहां से चलने वाली सभी ट्रेनों को अन्य स्टेशनों से चलाने की योजना है। लेकिन अब इसे लेकर रेलवे (Indian Railway) की तरफ से स्पष्टीकरण आया है।

इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर रेलवे ने कहा है कि अमृत भारत योजना के तहत नवीनीकरण के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को बंद किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट पूरी तरह निराधार और भ्रामक है। रेलवे ने ऐसी सारी खबरों को सिरे से खारिज किया है।

रेलवे ने कहा, ऐसी कोई योजना नहीं

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने बताया, "नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को बंद करने की खबर के संबंध में, यह स्पष्ट किया जाता है कि स्टेशन पर ट्रेन परिचालन बंद करने की तत्काल कोई योजना नहीं है।"

कुमार के अनुसार, "कुछ न्यूज वेबसाइट ऐसी खबरें चला रही हैं कि रेलवे नई दिल्ली स्टेशन से परिचालन बंद कर देगा और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के अन्य स्टेशनों पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। ऐसी खबरें भ्रामक हैं और इससे आम लोगों को कन्फ्यूजन हो सकती है।"

रेल मंत्रालय ने भी किया स्पष्ट

रेल मंत्रालय ने भी इस संबंध में एक स्पष्टकिरण जारी किया है, जिसमें कहा गया है, "मीडिया के कुछ धड़ों में यह खबर छपी है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास कार्य के लिए इस साल के अंत तक बंद कर दिया जाएगा। यह घोषणा की जाती है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन कभी बंद नहीं होगा।"

साथ ही इसमें यह भी कहा गया है कि, 'यह ध्यान देने वाली बात है कि जब किसी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जाता है, तो कुछ ट्रेनों को आवश्यकतानुसार डायवर्ट या रेगुलेट किया जाता है। ट्रेनों के ऐसे डायवर्जन/रेगुलेटेशन की सूचना पहले ही दे दी जाती है।'

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहा स्टेशनों का विकास

रेल मंत्रालय ने साल 2023 में अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS) लॉन्च की थी, और अब तक कुल 7000 स्टेशनों में से 1321 को इसके तहत पुनर्विकास के लिए चुना गया है। ये सभी स्टेशन अलग-अलग रेलवे जोन में हैं और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में उनमें से एक है।

हालांकि इनमें से कई स्टेशन विकास के विभिन्न चरणों में हैं, लेकिन कुछ स्टेशनों पर अभी काम शुरू होना बाकी है। इस योजना का उद्देश्य पिछले कुछ वर्षों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यात्री सुविधाओं में सुधार करना है।

रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, 'चूंकि कई जगहों पर पुनर्विकास का काम चल रहा है, इसलिए ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि नई दिल्ली स्टेशन को पुनर्विकास के लिए बंद कर दिया जाएगा, जो कि गलत है। अभी तक ऐसी कोई योजना नहीं है। इसका पुनर्विकास होना है, लेकिन यह इस तरह से होगा कि आम लोगों को कोई परेशानी न हो।'

नौसेना के लिए 26 राफेल विमान खरीदने के लिए 30 से शुरू होगी वार्ता, 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक होगी लागत

परिवहन विशेष न्यूज

नौसेना के लिए 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 26 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच 30 मई से वार्ता शुरू होगी। इसके लिए फ्रांस का उच्चस्तरीय दल भारत आएगा ।रक्षा उद्योग से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि फ्रांस का दल वार्ता शुरू करने के लिए अपने भारतीय समकक्षों से मुलाकात करेगा।

नई दिल्ली। नौसेना के लिए 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 26 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच 30 मई से वार्ता शुरू होगी। इसके लिए फ्रांस का उच्चस्तरीय दल भारत आएगा ।रक्षा उद्योग से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि फ्रांस का दल वार्ता शुरू करने के लिए अपने भारतीय समकक्षों से मुलाकात करेगा।

फ्रांस के दल में उसके रक्षा मंत्रालय और मूल उपकरण निर्माता दासौ एविएशन एवं थेल्स समेत उद्योग जगत के अधिकारी शामिल होंगे। भारतीय दल में रक्षा खरीद विभाग एवं नौसेना के अधिकारी शामिल होंगे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि वे इस वित्त के आखिर तक फ्रांस के साथ वार्ता पूरी करके समझौते पर हस्ताक्षर करने का प्रयास करेंगे।

भारतीय नौसेना के दो विमान वाहक पोतों आईएनएस विक्रांत एवं आइएनएस विक्रमादित्य के लिए 26 राफेल विमान खरीदने के लिए भारत की निविदा पर फ्रांस ने दिसंबर में ही अपना जवाब दाखिल कर दिया था। भारत ने फ्रांस की बोली (बिड) का विस्तृत अध्ययन किया है जिसमें विमान की कीमत एवं अनुबंध के अन्य विवरण शामिल हैं।

भारत अब फ्रांस सरकार के साथ सौदे के लिए कड़ी बातचीत करेगा क्योंकि यह सरकार से सरकार के बीच अनुबंध है। नौसेना प्रमुख ने अपनी टीम को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि परियोजना के लिए आवश्यक समयसीमा में काफी कमी लाई जाए, ताकि विमानों को यथाशीघ्र नौसेना में शामिल किया जा सके।

'चाबहार समझौते पर विवरण का इंतजार', अमेरिकी राजदूत बोले- हम भारत की कनेक्टिविटी परियोजनाओं के खिलाफ नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने दैनिक जागरण को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत और ईरान के बीच तेहरान में चाबहार पोर्ट के विकास व प्रबंधन को लेकर हुए दीर्घकालिक समझौते के विस्तृत विवरण का अमेरिका इंतजार कर रहा है। इसके बाद ही वह इस बारे में फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत की कनेक्टिविटी परियोजनाओं के खिलाफ नहीं है।

नईदिल्ली। भारत और ईरान के बीच तेहरान में 13 मई 2024 को चाबहार पोर्ट के विकास व प्रबंधन को लेकर किये गये दीर्घकालिक समझौते के विस्तृत विवरण का इंतजार अमेरिका कर रहा है। इसके बाद ही वह इस बारे में फैसला करेगा। मोटे तौर पर अमेरिका भारत की कनेक्टिविटी परियोजनाओं के खिलाफ नहीं है और कुछ क्षेत्रों में तो वह भारत के साथ मिल कर कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम कर रहा है, लेकिन ईरान का मामला दूसरा है। वजह यह है कि अमेरिका इरान को आतंकवाद को पोषित करने वाले देशों में मानता है और इस पर प्रतिबंध लगा चुका है। यह बात भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने दैनिक जागरण को दिए गए एक साक्षात्कार में कही। यह साक्षात्कार यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉफ इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) की तरफ से आयोजित दक्षिण एशिया क्षेत्रीय ऊर्जा साझेदारी (एसएआरईपी) सेमिनार के दौरान गार्सेटी ने दिया।

गार्सेटी ने कहा कि हम चाबहार को लेकर किये गये समझौते के विवरण का इंतजार कर रहे हैं कि क्या किया गया है। समझौता हुआ है लेकिन उसका विवरण देखना जरूरी है। ईरान उस क्षेत्र में दुनिया के दूसरे देशों में आतंकवाद को बढ़ावा देने में और हिंसा को प्रायोजित करने वाला देश रहा है। यही वजह है कि उस पर प्रतिबंध लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि जो कंपनियां समझौता कर रही हैं उनको इस बात का पता होना चाहिए। पूर्व में इस बारे में भारत के साथ इस बारे में सरकारी स्तर पर बात हुई है लेकिन अभी इसके बारे में हमारे पास कोई विवरण नहीं है। सामान्य तौर पर हम विस्तार से जानेंगे तभी कुछ स्पष्ट तौर पर कह सकेंगे।

मध्य एशिया के साथ जुड़े भारत

गार्सेटी ने फिर कहा कि लेकिन मोटे तौर पर हम चाहते हैं कि भारत दुनिया के दूसरे देशों के साथ लिंक्ड हो। हम चाहते हैं कि मध्य एशिया के साथ भारत जुड़े। हम चाहते हैं कि पुराना स्पाइस रूट (प्राचीन काल का जापान, इंडोनेशिया, भारत होते हुए मध्य पूर्व को जोड़ने वाला कारोबारी मार्ग) भी मजबूत हो। दूसरे देश भी इस बारे में प्रस्ताव कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हम स्वयं चाहते हैं कि एक तरह की सोच वाले लोकतांत्रिक देशों को शामिल करके आगे बढ़ा जाए। लेकिन इसमें परियोजनाओं की आड़ में कर्ज के बोझ वाला दबाव ना हो, जो सभी देशों के लिए लाभदायक हो। यही वजह है कि हमने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत व दूसरे देशों के साथ मिल कर भारत-मध्य पूर्व-यूरोपी कारीडोर (आइएमईसी) की घोषणा की। यह एक एतिहासिक घोषणा थी। मध्य पूर्व से लेकर दक्षिण एशिया तक के लोग उम्मीद की किरण के तौर पर देख रहे हैं। यह भविष्य के लिए बहुत ही अच्छा होगा।

भारत ने किया था टर्मिनल का निर्माण

गौरतलब है कि भारत पहले से ही चाबहार पोर्ट पर एक टर्मिनल का निर्माण कर चुका है, लेकिन ईरान के साथ किये गये समझौते से भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) को रणनीतिक तौर पर बेहद महत्वपूर्ण इस पोर्ट के सह-प्रबंधन व सह-विकास का दीर्घकालिक ठेका मिल गया है। भारत इस पोर्ट से ना सिर्फ अफगानिस्तान को बल्कि मध्य एशियाई देशों को रेलवे व सड़क मार्ग से जोड़ने की योजना बना रखी है। साथ ही चाबहार पोर्ट पर एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की मंशा रखता है।

क्या है अड़चन

समस्या यह है कि अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा है और जो भी कंपनी ईरान के साथ कारोबार करती है उस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाया जाता है। वर्ष 2017 में जब अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगाया था तब भारत की चाबहार परियोजना को इससे अलग रखा था। क्योंकि तब भारत ने उसे यह समझाया था कि मध्य एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए यह पोर्ट जरूरी है।

इस पोर्ट से सिर्फ 70 किलोमीटर की दूरी पर चीन ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान के ग्वादर में एक पोर्ट विकसित कर रखा है। इस बार देखना होगा कि अमेरिका भारत की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को प्रतिबंध से बाहर रखता है या नहीं।

पेयजल व्यवस्था में सुधार एवं विस्तार के लिये केन्द्र सरकार की अमृत-2 योजना के अन्तर्गत भीलवाड़ा में होगा 12 टंकियों का निर्माण-अग्रवाल

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। सांसद प्रत्याशी एवं प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने भीलवाड़ा शहर की पेयजल व्यवस्था में सुधार एवं विस्तार के लिये केन्द्र सरकार की अमृत-2 योजना के अन्तर्गत भीलवाड़ा शहरवासियों के लिये 12 टंकियों के निर्माण की स्वीकृति ली।

लोकसभा मीडिया प्रभारी विनोद झुर्रानी ने बताया कि प्रदेश महामंत्री एवं भीलवाड़ा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के अथक प्रयासों से केन्द्र सरकार की अमृत-2 योजना का लाभ अब भीलवाड़ा वासियों को जल्द ही मिलने वाला है। भीलवाड़ा शहर में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु 12 टंकियों के निर्माण की सूचना दामोदर अग्रवाल ने फोन के माध्यम से पी.एच.ई.डी. विभाग के एस.सी. एवं जिला कलेक्टर को दी एवं शीघ्र ही टंकियों के लिये स्थानों को चिन्हित कर निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने का आग्रह किया।

अग्रवाल ने बताया कि भीलवाड़ा शहर इस समय पेयजल समस्या से जुझ रहा है। इसके निराकरण के लिये शहर में 12 स्थानों पर टंकिया बनाकर जहां-जहां पानी की विकट समस्याऐं है एवं प्राईवेट कॉलोनियॉ जहां पानी नहीं पहुंच पा रहा है, उनको सुलभता से पानी मिल सके ऐसी व्यवस्था हो।

इस हेतु पी.एच.ई.डी. विभाग के एस.सी. ने यूआईटी सचिव को पत्र लिखकर 12 टंकियों के लिये जगह के अधिग्रहण के लिये मांग की है।

पांडियन ने 9 मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर :बिजेड़ी नेता कार्तिक पांडियन ने 9 मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है । कार्तिक पांडियन ने बीजेपी के 9 सेल्फ गोल्स की आलोचना की है । ओडिशा के लोग महा भगवान जगन्नाथ और मंदिर को राजनीति में नहीं घसीटना चाहते। बाहर से नेता, केंद्रीय मंत्री आ रहे हैं और मुख्यमंत्री को असभ्य भाषा में अपमानित कर रहे हैं ।बीजेपी ने मिशन शक्ति को रोकने का ऐलान कर दिया है । अगर बीजेपी सरकार में आई तो मिशन बंद कर देगी ।बीजेपी ने चुनाव के दौरान मिशन शक्ति को रोकने को कहा है । बीजेपी मिशन शक्ति को रोकने की साजिश रच रही है ।

बीजेपी ने बीएसकेवाई को बंद करने और औस्मान भारत योजना को लागू करने के अपने इरादे की घोषणा की है। आयुष्मान भारत केवल बीपीएल परिवारों के लिए है। लेकिन BSKY योजना सभी के लिए है। राज्य की 90 फीसदी जनता को लाभ मिल रहा है । आगे भी सभी को बीएसकेवाई नवीन कार्ड में शामिल किया जाएगा।

नवीन सरकार ने युवा क्षेत्र को महत्व देते हुए 5टी स्कूल, 5टी कॉलेज, युवा बजट की व्यवस्था की है । 98 प्रतिशत बच्चों के लिए नई और छात्र छात्रवृत्ति योजनाएं शुरू की गई हैं। जब बीजेपी इस्तारा में युवाओं के लिए कुछ नहीं है तो बीजेपी इसे रोकने की योजना बना रही है ।

मुख्यमंत्री ने आदिवासियों की पहचान के लिए एसडीसी का गठन किया है । दोहरे इंजन वाले राज्यों में अधिक आदिवासी होने के बावजूद एसडीसी का गठन नहीं किया गया है। सरकार में आने पर भाजपा इसे बंद कर देगी।

डबल इंजन सरकार वाले राज्य में शांति नहीं है । ओडिशा में शांति है. दादा ओडिशा में नहीं बढ़े. लेकिन भाजपा ने भाजयुमो को छोड़कर आपराधिक गतिविधियों में शामिल कई लोगों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया है।

बीजेडी के मुफ्त बिजली के ऐलान के बाद बीजेपी को बिजली मिल गई है । बीजेपी सोलर सिस्टम से बिजली देने की बात कर रही है । इसने मुफ्त आपूर्ति के वादे पर रसोई गैस की कीमत बार-बार बढ़ाई है। एलपीजी गैस की तरह बीजेपी की सौर ऊर्जा की घोषणा एक बड़ा जुमला है ।

3100 रुपये एमएसपी किसानों के लिए बड़ी बात है । भले ही एमएसपी वृद्धि केंद्र में लंबित है, लेकिन भाजपा ने 10 साल तक किसानों के बारे में नहीं सोचा। अब मुझे चुनाव के लिए किसानों की बातें याद आ रही हैं ।

अमित शाह के ओडिशा दौरे पर टिप्पणी करते हुए कार्तिर पांडियन ने कहा, 'कई नेता ओडिशा आ रहे हैं, जो अच्छी बात है । ओडिशा में आपका स्वागत है ।वह ओडिशा के लोकप्रिय मुख्यमंत्री का अपमान कर रहे हैं। आने वाले दिनों में ओडिशा की जनता इसका जवाब देगी । अगर आप मेरा अपमान करेंगे या हमला करेंगे तो इसका कोई असर नहीं होगा , मैं बहुत खुश हूं। अगर वे मुझे गाली देंगे तो ओडिशा के लोग जवाब देंगे। ओडिशा की सारी योजनाएं 5 में बनी हैं, ये उन्हें मालूम है । अगर मैं उन्हें डांटूंगा तो लोग समझ जाएंगे ।

2019 के बाद से ओडिशा में बहुत सारे अच्छे काम हुए हैं। 5 घोषणाओं के बाद सब कुछ ठीक चल रहा है। ओडिशा के निवासियों को कोविड के दौरान मुफ्त चिकित्सा उपचार मिल रहा है। साथ ही कई योजनाओं ने लोगों के दिलों को छुआ है । अब स्कूल, कॉलेज से लेकर मंदिर तक सब कुछ बदला जा रहा है। मेरी सरकार आने के बाद आप सभी दफ्तरों के बारे में जनता से राय पूछेंगे तो लोग कहेंगे । 5 और मेरी सरकार से उन्हें क्या लाभ हुआ है। कार्तिक पांडियन ने कहा कि यह जनता की सरकार है।

असम की अवैध खदान में तीसरे दिन भी फंसे रहे तीन रैट माइनर, बचाव अभियान में लगी NDRF और SDRF की टीम

असम के तिनसुकिया जिले की अवैध कोयला खदान में तीन रैट माइनर सोमवार को तीसरे दिन भी फंसे रहे। हालांकि उन्हें बचाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। फंसे रैट माइनरों की पहचान नेपाल के भोजपुर निवासी दावा शेरपा और मेघालय के जान एवं फेनाल के रूप में की गई है। जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि संदेह है कि तीनों रैट माइनर मर चुके हैं

डिब्रूगढ़। असम के तिनसुकिया जिले की अवैध कोयला खदान में तीन रैट माइनर सोमवार को तीसरे दिन भी फंसे रहे। हालांकि, उन्हें बचाने की कोशिशें लगातार जारी हैं। गत रविवार लगभग 12.30 बजे लेडो में टिकोक कोलियरी के अंतर्गत बारगोलाई और नामदांग के बीच अवैध टिकोक पश्चिम खदान में अचानक भूस्खलन के कारण रैट माइनर्स फंस गए थे।

रैट माइनर्स को खोजने के लिए बचाव अभियान जारी

तिनसुकिया जिला आयुक्त स्वप्निल पाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ रैट माइनर्स को खोजने के लिए जारी खोज एवं बचाव अभियान में लगे हैं। मलबे को खोदने के लिए एक्सकेवेटर्स (मशीनों) का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और आरोपितों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

नेपाल और मेघालय के रहने वाले हैं तीनों रैट माइनर

उन्होंने बताया कि फंसे रैट माइनरों की पहचान नेपाल के भोजपुर निवासी दावा शेरपा और मेघालय के जान एवं फेनाल के रूप में की गई है। हालांकि जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि संदेह है कि तीनों रैट माइनर मर चुके हैं और उनके शव मलबे में दबे है लेकिन शव बरामदगी से पहले कुछ भी नहीं जा सकता है।

चक्रवाती तूफान 'रेमल' का कहर जारी, मिजोरम में पत्थर की खदान ढहने से 17 की मौत, कई लापता

खतरनाक चक्रवात रेमल का कहर जारी है। तूफान के चलते भारी बारिश ने बंगाल के साथ-साथ पूर्वोत्तर के कई राज्यों में तबाही मचाई है। भारी बारिश के बीच मिजोरम के आइजल जिले में पत्थर की खदान ढह जाने से दो बच्चों सहित 17 लोगों की मौत हो गई। वहीं असम में अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए।

आइजल। मिजोरम में चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण हो रही भारी बारिश के बीच आइजल जिले में मंगलवार सुबह पत्थर की खदान ढह जाने से दो बच्चों सहित 17 लोगों की मौत हो गई। छह-सात अन्य लापता हो गए। घटनास्थल से दो लोगों को बचाया गया है।

इस दुर्घटना शोक जताते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पर पोस्ट किया, 'शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' मिजोरम के पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने कहा, 'हमने 17 शव बरामद किए हैं। आशंका है कि छह- सात और लोग अभी भी मलबे में दबे हैं। भारी बारिश के कारण बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है।'

आईजल का संपर्क कटा

पुलिस ने बताया कि बारिश से राज्य में कई अन्य स्थानों पर भी भूस्खलन हुआ है। आइजल के सेलम वेंग में भूस्खलन से इमारत ढह गई। इस घटना में तीन लोग लापता हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग छह पर भूस्खलन से आइजल का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कट गया है। सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। आवश्यक सेवाओं से संबंधित कर्मचारियों को छोड़कर सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है। आइजल शहर में, कुछ कब्रिस्तान भी भूस्खलन से बह गए हैं। 150 से अधिक कब्रें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

मुख्यमंत्री ने की अनुग्रह राशि की घोषणा

राज्य के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने स्थिति का जायजा लेने के लिए गृह मंत्री के. सपडांगा, मुख्य सचिव रेनू शर्मा के साथ आपात बैठक की। मुख्यमंत्री ने बारिश के कारण हुई आपदाओं में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। सरकार ने चक्रवात प्रभावित बारिश संबंधी आपदाओं से निपटने के लिए 15 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं।

असम में भारी बारिश से दो की मौत : असम में चक्रवात रेमल के प्रभाव के कारण तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान पुतुल गोगोई और कौशिक बारदोलई के रूप में हुई है। लखीमपुर जिले में निर्माणाधीन एनएचपीसी की लोअर सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में पुतुल की मौत हुई। वहीं मोरीगांव जिले में आटो-रिक्शा पर पेड़ गिरने से छात्र कौशिक बोरदोलोई की मौत हो गई। आटो-रिक्शा पर सवार चार अन्य लोग घायल हैं। सोनितपुर जिले में स्कूल बस पर पेड़ गिरने से 12 बच्चे घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'बारिश के कारण कपिरचेर्रा (एनएच-27, हाफलोंग से सिलचर) और थेरेबसाती (उमरंगसो-देहांगी रोड) में भूस्खलन हुआ है ।तूफान के कारण राज्य में कई जगहों पर पेड़ उखड़ गये। मोरीगांव, नागांव और दिमा हसाओ में शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं। कई जिलों में नौका सेवाएं रोक दी गई हैं।'

मणिपुर में बारिश से कई इलाकों में बाढ़ : मणिपुर में लगातार बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए। कई नदियां उफान पर हैं। एनएच 37 इंफाल-सिलचर राजमार्ग पर कांगपोकपी जिले के सिनम गांव के पास भूस्खलन हो गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095 . newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023